सान्ध्य हिन्दी दैनिक
जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 177 | जौनपुर, शुक्रवार, 14 फरवरी 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

प्रधानमंत्री मोदी ने 'विश्व रेडियो दिवस' पर देशवासियों को बधाई दी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को 'विश्व रेडियो दिवस' की शुभकामनाएं दीं और कहा कि संचार का यह माध्यम लोगों को जानकारी देने, प्रेरित करने और जोड़ने की शाश्वत जीवनरेखा रहा है। प्रधानमंत्री ने लोगों से इस महीने के आखिरी रविवार को आकाशवाणी से प्रसारित होने वाले अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की ताजा कड़ी के लिए सुझाव भी आमंत्रित किए। हर साल 13 फरवरी को 'विश्व रेडियो दिवस' मनाया जाता है। यह दिन रेडियो के महत्व के बारे में आम जनता और समाचार माध्यमों में जागरूकता बढ़ाने तथा रेडियो के जरिए सूचना उपलब्ध कराने के लिए नीति–निर्माताओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मनाया जाता है। प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आपको 'विश्व रेडियो दिवस' की शुभकामनाएं। रेडियो लोगों को जानकारी देने, प्रेरित करने और जोड़ने के लिए शाश्वत जीवनरेखा रहा है। समाचार और संस्कृति से लेकर संगीत और कहानी सुनाने तक, यह एक ऐसा शक्तिशाली माध्यम है जो रचनात्मकता को भी प्रोत्साहित करता है।'' उन्होंने कहा, ''मैं रेडियो की दुनिया से जुड़े सभी लोगों का अभिनंदन करता हूं। मैं आप सभी को इस महीने की मन की बात, जो 23 तारीख को होगी, को लेकर अपने विचारों और सुझावों को साझा करने के लिए भी आमंत्रित करता हूं।'' 'विश्व रेडियो दिवस' दुनिया भर के लोगों के जीवन को प्रभावित करने और उन्हें परस्पर जोड़ने की रेडियो की अद्भुत क्षमता को याद करने का अवसर भी होता है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में पेश किया नया आयकर बिल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को लोकसभा में आयकर विधेयक, 2025 पेश किया और अध्यक्ष ओम बिरला से इसे सदन की प्रवर समिति को भेजने का आग्रह किया। विपक्षी सदस्यों ने विधेयक को प्रस्तुत करने के दौरान इसका विरोध किया, लेकिन सदन ने इसे प्रस्तुत करने के लिए ध्वनिमत से प्रस्ताव पारित कर दिया। विधेयक को पेश करते हुए सीतारमण ने बिरला से आग्रह किया कि वे मसौदा कानून को सदन की प्रवर समिति को भेजें, जो अगले सत्र के पहले दिन तक अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। उन्होंने अध्यक्ष से प्रस्तावित पैनल की संरचना और नियमों पर निर्णय लेने का आग्रह किया। बहुप्रतीक्षित विधेयक में कर निर्धारण वर्ष और पूर्व वर्ष जैसे शब्दों के स्थान पर कर वर्ष जैसे सरलीकृत शब्द रखे जाएंगे, जो कि आयकर कानून की भाषा को सरल बनाने बनाएगा। इसके साथ ही नए कानून से अनावश्यक प्रावधान और स्पष्टीकरण भी हट जाएंगे। आयकर कानूनों को सरल बनाने के लिए नया कानून बनाने का एलान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक फरवरी 2025 के अपने बजट भाषण में किया था। इस विधेयक को केंद्रीय कैबिनेट की भी मंजूरी मिल चुकी है। लोकसभा में पेश होने वाला नए आयकर विधेयक में 536 धाराएं है। इसमें 23 अध्याय है और यह 622 पन्नों का है। इस विधेयक के पारित होने के बाद नया आयकर कानून अधिक व्यवस्थित और वर्तमान कानून की तुलना में सरल होगा। एक बार कानून बनने के बाद आयकर विधेयक 2025 छह दशक पुराने आयकर अधिनियम 1961 की जगह लेगा। पहले का कानून समय के साथ और विभिन्न संशोधनों के बाद काफी जटिल हो गया है, इसलिए इसकी जगह नया आयकर विधेयक लाया जा रहा है। सरकार की ओर से प्रस्तावित नए कानून में, आयकर अधिनियम, 1961 में उल्लिखित 'पिछले वर्ष' (थ्ल) शब्द को बदलकर 'कर वर्ष' कर दिया गया है। इसके साथ ही, मूल्यांकन वर्ष (।ल) की अवधारणा को समाप्त कर दिया गया है। वर्तमान में, पिछले वर्ष (2023–24) में अर्जित आय के लिए, कर का भुगतान निर्धारण वर्ष (2024–25) में किया जाता है। इस नये विधेयक में पिछले वर्ष और निर्धारण वर्ष की अवधारणा को हटा दिया गया है और सरलीकृत विधेयक में केवल कर वर्ष की बात कही गई है। आयकर विधेयक, 2025 में 536 धाराएं शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

टीएमसी सांसदों के बृहस्पतिवार को राष्ट्रपति मुर्मू से मिलने की संभावना

नई दिल्ली, (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसदों का एक प्रतिनिधिमंडल बृहस्पतिवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात कर सकता है। एक सूत्र ने यह जानकारी दी। सूत्र के अनुसार, प्रतिनिधिमंडल में करीब 12 सांसद शामिल होंगे। उसने बताया कि बैठक का समय अभी तय नहीं हुआ है और इसका एजेंडा भी ज्ञात नहीं है। टीएमसी नेताओं ने पहले कहा था कि वे पिछले साल सितंबर में पश्चिम बंगाल विधानसभा द्वारा पारित अपराजिता महिला और बाल (पश्चिम बंगाल आपराधिक कानून संशोधन) विधेयक, 2024 को लेकर राष्ट्रपति से मुलाकात करेंगे। विधेयक में बलात्कार पीड़िता की मौत होने या उसके अचेत अवस्था में चले जाने पर दोषी को मृत्युदंड देने का प्रावधान है। राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने इस विधेयक को मुर्मू के पास भेजा है। टीएमसी महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) और कुछ अन्य केंद्रीय योजनाओं के तहत पश्चिम बंगाल के लंबित बकाये का मुद्दा भी उठाती रही है।

गिरफ्तारी के 19 महीने बाद कोविड–19 जंबो सेंटर के पूर्व डीन को जमानत मिली

बंबई, (एजेंसी)। उच्च न्यायालय ने मुंबई के दहिसर इलाके में स्थित कोविड–19 जंबो सेंटर के पूर्व डीन डॉ. किशोर बिसुरे को बुधवार को जमानत दे दी। बिसुरे को महामारी के दौरान कथित अनियमितताओं के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 2023 में गिरफ्तार किया था। बिसुरे के खिलाफ आरोप है कि मुंबई नगर निकाय द्वारा संचालित चिकित्सा सुविधा के तत्कालीन डीन के रूप में उन्होंने महामारी के दौरान कोविड–19 रोगियों के उपचार केंद्र में फर्जी उपस्थिति पत्रक तैयार करने के लिए बहुमूल्य वस्तुएं प्राप्त की थीं। न्यायमूर्ति मिलिंद एन जाधव की एकल पीठ ने बुधवार को कहा कि बिसुरे को 19 जुलाई 2023 को गिरफ्तार किया गया था और तब से वह हिरासत में हैं। अदालत ने कहा कि मुकदमे में कोई ठोस प्रगति नहीं हुई है और मामले में आरोप भी अभी तय नहीं किए गए हैं। उच्च न्यायालय ने वरिष्ठ चिकित्सक को एक लाख रुपये के मुचलके पर जमानत देते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष को मामले में 82 गवाहों से जिरह करनी है, जिससे निकट भविष्य में मुकदमे का निष्कर्ष निकालना असंभव है।

प्रगति यात्रा के दौरान नीतीश कुमार के सामने लगे लालू यादव जिंदाबाद के नारे

गया, (एजेंसी)। बिहार में इसी साल विधान सभा चुनाव होने हैं और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार प्रगति यात्रा पर आज गया जिले में हैं। इसी दौरान गुरुवार को गया जिले में तीन अलग–अलग स्थानों पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कार्यक्रम आयोजन किये गये हैं। इमामगंज प्रखंड के लावाबार, बोधगया प्रखंड के बतसपुर गांव और गया शहर के प्रभावती अस्पताल में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गया जिले में 143796.09 करोड़ रुपए का सौगात दिए हैं। लगभग 816 योजनाओ में 104253.86 का शिलान्यास तथा 898 योजना राशि 39542.23 का उन्होंने उद्घाटन किया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कुल 1714 विभिन्न योजनाओं में 143796.09 का सौगात दिया है। बोधगया प्रखंड के बतसपुर गांव में प्रगति यात्रा के दौरान नीतीश कुमार पहुंचे। मुख्यमंत्री के पहुंचते ही वह बतसपुर डैम का निरीक्षण करने लगे। इसी दौरान भीड़ से अचानक लालू यादव जिंदाबाद के नारे लगाये जाने लगे। कुछ देर के लिए हर कोई हैरान हो गया। फिर तुरंत पुलिस बल भीड़ की तरफ बढ़ गई, लेकिन तब तक नारा लगाने वाले कुछ युवक वहां से फरार हो गये। थोड़ी देर में ही स्थिति पुनः ठीक हो गई। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन मंत्री विजय चौधरी भी थे। कार्यक्रम स्थल पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी।

संसद में जमकर हुई तकरार, लोकसभा में शाह ने संभाला मोर्चा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। लोकसभा में हंगामे के बीच उत्तर प्रदेश की डुमरियागंज से निर्वाचित भाजपा सांसद और संयुक्त संसदीय समिति के प्रमुख जगदंबिका पाल ने सदन के पटल पर जेपीसी की रिपोर्ट पेश की। इसके बाद भारत माता की जय के नारे भी लगे। इसके बाद गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि स्पीकर को रिपोर्ट का कोई भी हिस्सा रखने या हटाने का पूरा अधिकार है। उन्होंने कहा कि संसदीय कार्यप्रणाली और नियमावली को देखते हुए नीर–क्षीर विवेक के आधार पर स्पीकर को फैसला करना है, जिस पर भाजपा को कोई आपत्ति नहीं है। इसके बाद स्पीकर ओम बिरला ने भी कहा कि विपक्षी सांसदों की असहमतियों और सभी बयानों को संसदीय नियमावली के आलोक में जेपीसी की रिपोर्ट के साथ संलग्न किया गया है। राज्यसभा में जेपीसी रिपोर्ट मेधा कुलकर्णी ने पेश की। रिपोर्ट पेश होने के बाद नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि इससे कई सदस्य असहमत हैं। खरगे ने जेपीसी की रिपोर्च को फर्जी और अलोकतांत्रिक करार दिया। उन्होंने कहा कि बाहर से सदस्यों को आमंत्रित कर बयान दर्ज किए जा रहे हैं। ऐसी असंसदीय रिपोर्ट को सदन की कार्यवाही का हिस्सा नहीं बनाया जाना चाहिए। खरगे ने कहा कि अगर रिपोर्ट में असहमति के स्वर को जगह नहीं दी गई है तो ऐसी स्थिति में इसे अस्वीकार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की रिपोर्ट को हर हाल में वापस किया जाना चाहिए। जेपीसी की रिपोर्ट को लेकर केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री ने कहा कि संसदीय नियमावली में नियम 72 से 92 तक चयन समिति से जुड़े नियमों का उल्लेख किया गया है। उन्होंने नियमों का हवाला देते हुए साफ किया कि सभापति को पूरा अधिकार है कि किसी रिपोर्ट को स्वीकार करना सभापति का विशेषाधिकार है। उन्होंने कहा कि सभापति को नियमों के तहत शक्तियां प्रदत्त हैं। इसलिए सभापति के फैसले को गलत नहीं बताया जा सकता। विपक्ष की आपत्ति बेबुनियाद और तथ्यहीन है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जेपीसी की रिपोर्ट नियमों के तहत तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि जेपीसी की रिपोर्ट सदन में पेश किए जाने के बाद विपक्ष उस पर चर्चा के लिए स्वतंत्र है। विपक्ष जानबूझकर गतिरोध और व्यवधान पैदा कर रहा है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि जेपीसी की रिपोर्ट से किसी हिस्से को हटाने का आरोप बिल्कुल झूठा है।

चुनाव में भाजपा को 281 सीटें मिलेंगी, पीएम मोदी की लोकप्रियता में भारी बढ़त आयी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। इंडिया टुडे–सीवोटर मूड ऑफ द नेशन पोल के अनुसार, अगर आज लोकसभा चुनाव हुए तो भाजपा 281 सीटों के साथ बहुमत का आंकड़ा पार कर सकती है। सर्वेक्षण में सत्तारूढ़ एनडीए की मजबूत वापसी का संकेत दिया गया है, जिसके कुल मिलाकर 343 सीटें जीतने की संभावना है। इससे भाजपा को अपने दम पर साधारण बहुमत मिल जाएगा, जो कि 2024 के लोकसभा चुनावों में हासिल नहीं हो सकता। पोल से पता चलता है कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली इंडिया ब्लॉक, जिसने 2024 के लोकसभा चुनावों में 232 सीटें जीतने के लिए अपने वजन से अधिक प्रदर्शन किया था, अगर आज चुनाव हुए तो घटकर 188 रह जाएगी। इंडिया टुडे–सीवोटर मूड ऑफ द नेशन पोल 2 जनवरी से 9 फरवरी, 2025 के बीच आयोजित किया गया था, जिसमें सभी लोकसभा क्षेत्रों के 125,123 व्यक्तियों का सर्वेक्षण किया गया था। सर्वेक्षण में नए साक्षात्कारों के साथ–साथ दीर्घकालिक ट्रैकिंग डेटा भी शामिल थे। वोट शेयर के मामले में, एनडीए, जिसने 292 सीटें जीतीं – मुश्किल से 272 के आधे से ज्यादा अंक को पार करते हुए, 3 प्रतिशत अंकों की वृद्धि के साथ 47% पर पहुंचने का अनुमान है। इंडिया ब्लॉक के लिए, सर्वेक्षण में वोट शेयर में सिर्फ 1% की वृद्धि की भविष्यवाणी की गई है, जो लोकसभा चुनावों के बाद अंदरूनी कलह के बीच बाद के चुनावी मुकाबलों में इसके गिरते शेयरों को दर्शाता है। सर्वेक्षण में भाजपा के लिए भारी लाभ का अनुमान लगाया गया है, अगर आज चुनाव हुए तो उसे 281 सीटें मिलेंगी। कांग्रेस के 78 सीटों पर गिरने की संभावना है, जो चुनावों में जीती गई 99 सीटों से कम है। व्यक्तिगत रूप से, भाजपा के वोट शेयर में 3 प्रतिशत अंकों की वृद्धि के साथ 41% तक की वृद्धि होने का अनुमान है, जबकि कांग्रेस का शेयर 20% तक गिर सकता है। सर्वेक्षण से संकेत मिलता है कि 10 साल से ज्यादा समय तक सत्ता में रहने के बावजूद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का करिश्मा और विकास योद्धा के रूप में उनकी छवि बेजोड़ है। राजनीतिक विशेषज्ञ यामिनी अय्यर ने इंडिया टुडे से कहा, ष्कांग्रेस अपनी मूलभूत समस्या, जो कि उसका संगठनात्मक ढांचा है, को हल नहीं कर रही है, इसके बिना कुछ भी नहीं चलेगा। भगवा पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जिन्होंने श400 पारश का आह्वान किया था, अपने दम पर साधारण बहुमत पाने में विफल होने के बाद विपक्ष के निशाने पर आ गए थे। भाजपा को लगातार तीसरी बार सरकार बनाने के लिए अपने सहयोगियों, नीतीश कुमार की जेडी(यू) और चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी पर निर्भर रहना पड़ा।

ओम बिरला ने सदन में नारेबाजी कर रहे कांग्रेस सांसदों को जमकर फटकार लगाई

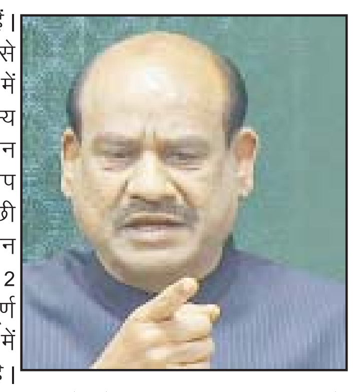

नई दिल्ली, (एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को सदन में नारेबाजी कर रहे कांग्रेस सांसदों को जमकर फटकार लगाई। उन्होंने कहा, आपकी पार्टी ने देश में लंबे समय शासन किया है। अब आप ही नियोजित तरीके से हंगामा करके सदस्यों का अधिकार छीनना चाहते हैं। दरअसल, कांग्रेस और कुछ अन्य विपक्षी दलों के सांसद अदाणी समूह से संबंधित एक खबर को लेकर सदन में हंगामा कर रहे थे। सदन में प्रश्नकाल शुरू होते ही कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के सदस्य नारेबाजी करने लगे। ओम बिरला ने उनसे नारेबाजी बंद करने और सदन चलने देने की अपील की। उन्होंने कांग्रेस का नाम लिए बगैर कहा, श्आप प्रश्नकाल के दौरान नियोजित तरीके से गतिरोध करते हैं, यह अच्छी परंपरा नहीं है। आपने इतने साल शासन किया है, आप सदन में व्यवधान पैदा करना करते हैं। बिरला का कहना था, श्मैंने कहा है कि दोपहर 12 बजे विषय को रखने देंगे, लेकिन आप चर्चा नहीं चाहते। आप महत्वपूर्ण विषयों को सदन में नहीं लाना चाहते हैं।श उन्होंने कहा कि प्रश्नकाल में सरकार की जवाबदेही तय होती है। यह सबसे महत्वपूर्ण समय होता है। आप सदस्यों का अधिकार छीनना चाहते हैं। विपक्षी सदस्यों ने जिस खबर को लेकर हंगामा किया, उसमें दावा किया गया है कि सरकार ने गुजरात में अदाणी समूह के नवीकरणीय ऊर्जा पार्क के लिए मार्ग प्रशस्त करने के मकसद से पाकिस्तान सीमा पर राष्ट्रीय सुरक्षा प्रोटोकॉल में ढील दी है। कांग्रेस का आरोप है कि सरकार ने इस कारोबारी समूह को फायदा पहुंचाने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डाला है।

मेरे रहते राज्य में भाजपा नहीं बना सकती सरकार – लालू प्रसाद यादव

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता लालू प्रसाद यादव ने दिल्ली विधानसभा चुनाव नतीजों के बिहार में महत्व को खारिज करते हुए कहा कि भारतीय जनता

पार्टी (भाजपा) के पास राज्य में सरकार बनाने की कोई संभावना नहीं है। यादव ने कहा कि जनता अब भाजपा की स्थिति को पहचान गयी है। दिल्ली चुनाव के नतीजे और उसके बिहार पर प्रभाव के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। वे सरकार कैसे बना सकते हैं? क्या हमारे रहते हुए भाजपा सरकार बना सकती है? लोगों ने अब भाजपा को पहचान लिया है। भाजपा ने ऐतिहासिक जीत में 48 सीटें हासिल कीं, जिससे 27 साल बाद राष्ट्रीय राजधानी में सत्ता में उसकी वापसी हुई और आम आदमी पार्टी (आप) के एक दशक से अधिक लंबे शासन का अंत हुआ। आप ने 2020 के विधानसभा चुनावों में 62 से कम, केवल 22 सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस लगातार तीसरी बार एक भी सीट जीतने में विफल रही। इसके बावजूद, एनडीए के कई नेताओं ने इस बात पर जोर दिया है कि गठबंधन इस साल के अंत में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में दिल्ली की तुलना में और भी बेहतर प्रदर्शन करेगा। इससे पहले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य में उसके शासनकाल में लोग शाम के बाद घर से बाहर निकलने से डरते थे। जनता दल (यूनाइटेड) के प्रमुख ने संत रविदास जयंती के अवसर पर पटना में आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए अपने चिरप्रतिद्वंद्वी लालू प्रसाद यादव की पार्टी पर निशाना साधते हुए यह बात कही। नीतीश ने किसी का नाम लिए बिना ही विपक्षी दलों परनिशाना है।

इंडिया गठबंधन में संयुक्त नेतृत्व, शरद पवार को भी दी सलाह - आदित्य ठाकरे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को सम्मानित करने के लिए अपने सहयोगी और राकांपा (सपा) अध्यक्ष शरद पवार पर कड़ी अस्वीकृति व्यक्त की। सेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने एकनाथ शिंदे को सम्मानित करने के लिए शरद पवार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि मैं उनकी (शरद पवार) उम्र, वरिष्ठता और सिद्धांतों के बारे में बात नहीं करूंगा। हमारा सिद्धांत है कि हम ऐसे व्यक्ति (एकनाथ शिंदे) का कभी सम्मान न करें।श उन्होंने (एकनाथ शिंदे) न सिर्फ हमारी पार्टी और परिवार को बल्कि महाराष्ट्र की रीढ़– राज्य में औद्योगीकरण को भी विभाजित कर दिया है। आदित्य ठाकरे ने साफ तौर पर कहा कि जो महाराष्ट्र द्रोही है, वह देश द्रोही भी होता है। शिवसेना प्रवक्ता संजय राउत ने कहा कि शिवसेना को विभाजित करने वाले और 'महाराष्ट्र को कमजोर करने वाले' व्यक्ति को सम्मानित करने से मराठी लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। यह शायद पहली बार है कि शिवसेना (उबाठा) ने पवार पर सीधा हमला बोला है, जिन्हें 2019 में गठित एमवीए का मुख्य वास्तुकार माना जाता है, जो अलग–अलग राजनीतिक विचारों वाले तीन दलों का गठबंधन है। इंडिया गठबंधन को लेकर आदित्य ठाकरे ने कहा कि मैं कल रात राहुल गांधी से मिला। आज मैं अरविंद केजरीवाल से मिलूंगा। आज आपके देश का भविष्य संदेह में है। आज देश में मतदाता धोखाधड़ी और ईवीएम धोखाधड़ी के बीच हमें नहीं पता कि हमारा वोट कहां जा रहा है। क्या आज हमारे देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से चुनाव हो रहे हैं? हमें लगता है कि हम लोकतंत्र में रह रहे हैं, लेकिन अब यह लोकतंत्र नहीं रहा। उन्होंने कहा कि जो हमारे और केजरीवाल जी और कांग्रेस के साथ हुआ, वही भविष्य में नीतीश जी, राजद और चंद्रबाबू जी नायडू के साथ भी हो सकता है। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन में संयुक्त नेतृत्व है। कोई एक नेता नहीं है।

संपादकीय

एआई पर सावधानी

पेरिस में संपन्न एआई एक्शन समिट में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के महत्व को स्वीकारते हुए सुरक्षा उपायों पर बल दिया गया। फ्रांस के तत्वावधान में आयोजित समिट राष्ट्रपति मैक्रों के साथ भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सह–अध्यक्षता में संपन्न हुई। जो भारतीय प्रतिभाओं की वैश्विक साख को भी दर्शाता है। निश्चित रूप से यह समय एआई के क्षेत्र में भारत को अपनी प्राथमिकता तय करने का है। हालांकि, समिट में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के संवर्द्धन के रोडमैप पर अंतर्राष्ट्रीय समुदाय में गहरे मतभेद भी उजागर हुए। मेजबान फ्रांस,भारत व प्रमुख हितधारक चीन समेत दुनिया के साठ देशों ने डिजिटल विभाजन को कम करने के लिये एआई पहुंच को बढ़ावा देने, इसे खुला,समावेशी, पारदर्शी, नैतिक, सुरक्षित और भरोसेमंद बनाने के संकल्प लेते हुए एक संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर किए। वहीं अमेरिका और ब्रिटेन ने इस पर असहमति जतायी और हस्ताक्षर नहीं किए। ट्रंप जैसे तेवर अपनाते हुए अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस ने वैश्विक नेताओं व तकनीक उद्योग के अधिकारियों को चेताया कि अत्यधिक विनियमन से तेजी से बढ़ते एआई उद्योग की गति थम सकती है। जो बताता है कि अमेरिका एआई जोखिमों को कम करने के यूरोप के प्रयासों से खुश नहीं है। दरअसल, एक अधीर राष्ट्रपति के नेतृत्व में अमेरिका एआई की अपार संभावनाओं पर वर्चस्व चाहता है। उसे चीन की चुनौती भी स्वीकार नहीं है। हालांकि, इसी तर्ज पर भारतीय प्रधानमंत्री ने कहा कि एआई इस सदी में मानवता के लिये नया कोड लिख रही है। लेकिन साथ ही एआई को वैश्विक भलाई के लिये विकसित करने पर भी बल दिया। जिसका संदेश यह भी है कि इसका उपयोग देश विशेष अपने निजी हितों तक सीमित न रखे। यानी एआई नवाचार को बढ़ावा तो दिया जाना चाहिए, लेकिन इसके नियमन को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। दरअसल, बड़े पैमाने पर एआई के दुरुपयोग की आशंका के बीच विश्वास, सुरक्षा और पारदर्शिता बढ़ाने के लिये एक वैश्विक ढांचा स्थापित करना अपरिहार्य ही है। दरअसल, यही वजह है कि यूरोपीय देशों ने इस दिशा में सतर्क रुख अपनाया है। ताकि जांच और संतुलन बनाने वाले कदमों से दुनिया में डीपफेक व भ्रामक प्रचार पर अंकुश लगाया जा सके। फलतरू भविष्य में नियामक मानदंडों को आसान बनाने पर सहमति बनानी जरूरी है। इसके लिये पूरी तरह से दरवाजे खोलना किसी आपदा को आमंत्रण जैसा भी हो सकता है। पेरिस में एक्शन समिट ऐसे वक्त में हुई है जब एआई में अमेरिकी वर्चस्व को चीनी कंपनी डीपसीक जबर्दस्त चुनौती दे चुकी है। उसने कम लागत में बेहतर एआई टूल पेश करके बताया है कि इस दौड़ में चीन कहीं आगे निकल चुका है। निस्संदेह, इस क्षेत्र में तमाम नई खोजों की संभावनाएं बरकरार हैं। लेकिन सुरक्षा मुद्दों को अनदेखा नहीं किया जा सकता। निस्संदेह, आने वाला समय कृत्रिम बुद्धिमत्ता का है, लेकिन इसका अनियंत्रित विकास मानवता के लिए घातक भी साबित हो सकता है। ऐसे में एआई विकास में पारदर्शिता व नियमन के अंतर्राष्ट्रीय मानक बनाने भी जरूरी हैं। जरूरी है कि हम एआई की वैश्विक चुनौती के बीच अपने इंजीनियरों व वैज्ञानिकों की मेधा का बेहतर उपयोग करके नयी खोजों का मार्ग प्रशस्त करें।

टैरिफ वॉर के बीच कैदी अदला-बदली का खेल

पुष्परंजन

चीनी लीडरशिप, अमेरिका की आंखों में आंखें डालकर किसके बूते बात करती है? क्या उसकी वजह केवल ट्रेड और सैन्य ताकत है, या कुछ और? जो है, वो दिखता नहीं। अमेरिका दुनिया को बताता नहीं, कि उसके कितने नागरिक चीनी जेलों में पड़े हैं। कैदियों का डाटा बेस तैयार करने वाले दुई हुआ फाउंडेशन का आकलन है कि अमेरिकी जेलों में 400 चाइनीज, और चीनी जेलों में 300 अमेरिकी नागरिक कैद हैं। आप हमारे तीन कैदी छोड़ो, उतने ही कैदी हम छोड़ेंगे, इसी बराबरी वाले फार्मूले पर कैदियों का तबादला चीन–अमेरिका के बीच हो रहा है। यह कहानी तीन माह पहले की है, जब अमेरिकी कैदी तीन चीनियों के बदले छोड़े गए था। उनकी रिहाई के वास्ते अमेरिका के पसीने छूट गए थे। तत्कालीन राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने अगस्त, 2024 में चीन की यात्रा की और चीन में गलत तरीके से हिरासत में लिए गए सभी अमेरिकियों की रिहाई का आग्रह किया। तत्कालीन विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने उसके अगले माह सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा में चीनी राजनयिक वांग यी के साथ तीनों व्यक्तियों के मामले उठाए। उसके प्रकारांतर, राष्ट्रपति जो बाइडेन ने नवंबर में पेरू में उनकी रिहाई के लिए चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग पर दबाव डाला था। क्या बाकी अमेरिकी कैदियों की रिहाई का जिम्मा ट्रंप ने लिया है? इस सवाल का उत्तर शी और ट्रंप की मुलाकात के बाद ही अमेरिकी जनता समझ पायेगी। लेकिन ट्रंप पर इसका दबाव है, कि कैदियों की रिहाई की जो शुरुआत जो बाइडेन ने की थी, उसे पुरजोर तरीके से आगे बढ़ाया जाये। दुई हुआ फाउंडेशन, चीन की जेल प्रणाली की अस्पष्टता की आलोचना करता है, जहां बहुत–सी जानकारी गोपनीयता के नाम पर छिपाई जाती है। उसके बरअकस, अमेरिकी जेल के आंकड़े रहस्य जैसे नहीं हैं, ऐसा दावा दुई हुआ फाउंडेशन करता है। कैद में रहना कठिन है, लेकिन विदेश में कैद होना और भी कठिन है। विदेशी कैदियों को भाषाई और सांस्कृतिक बाधाओं और एक अपरिचित कानूनी प्रणाली का सामना करना पड़ता है। 1963 में 'कांसुलर संबंधों पर वियना कन्वेंशन' में चीन और अमेरिका सहित अधिकांश देश शामिल हैं, जिसके आधार पर किसी देश में कैद विदेशी नागरिकों में रिहाई की उम्मीद बनी रहती है।

दो दशकों से अमेरिका और चीन के बीच अलग से द्विपक्षीय समझौता 'यूएस–पीआरसी कांसुलर कन्वेंशन', वियना कन्वेंशन से अधिक कठोर है। यदि कोई बंदी ऐसा अनुरोध करे तो उसके देश के कूटनीतिक मिशन को 24 से 72 घंटे के बीच सूचित किया जाना अनिवार्य है। वर्ष 2024, नवम्बर में वर्षों से हिरासत में रखे गए तीन अमेरिकी नागरिकों को चीन ने रिहा किया था। उनके नाम थे मार्क स्विडन, काई ली, और जॉन लेउंग। प्रशासन के एक अधिकारी ने गुरुवार को पुष्टि की कि तीनों अमेरिकी टेक्सास में जॉइंट बेस सैन एंटोनियो के हिस्से लैकलैंड एयर फोर्स बेस के जरिए वापस अमेरिका लौट आए। उससे पहले, अमेरिकी पादरी डेविड लिन भी सितम्बर, 2024 में चीनी कैद से छोड़े गए थे। न्यूयॉर्क के लॉन्ग आइलैंड के रहने वाले 62 वर्षीय डेविड लिन को 2016 में हिरासत में लिया गया था, और 2018 में जासूसी के आरोपों में 10 साल की सजा सुनाई गई थी, जिसके बारे में उनके परिवार का कहना है कि ये आरोप निराधार हैं। टेक्सास के 40 वर्षीय व्यवसायी स्विडन को 2012 से हिरासत में रखा गया था और 2019 में उन्हें ड्रग से संबंधित आरोपों में दोषी ठहराए जाने के बाद मृत्युदंड की सजा सुनाई गई थी, जिसके बारे में संयुक्त राष्ट्र के एक कार्य समूह ने कहा था कि इसका कोई साक्ष्य आधार नहीं था। ली और स्विडन को विदेश विभाग द्वारा 'गलत तरीके से हिरासत में लिया गया' माना गया था। 60 वर्षीय अमेरिकी नागरिक लेउंग, जिनका हांगकांग के चीनी क्षेत्र में स्थायी निवास भी है, को पिछले साल पूर्वी चीन की एक अदालत द्वारा जासूसी का दोषी पाए जाने के बाद आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। हांगकांग और चीनी समाचार आउटलेट के अनुसार, 2021 में हिरासत में लिए गए लेउंग संयुक्त राज्य अमेरिका में बीजिंग समर्थक समूह के सदस्य थे, और वरिष्ठ चीनी अधिकारियों के साथ उनकी तस्वीरें सामने आई थीं। अमेरिकी सरकार के एक अधिकारी ने कहा कि उनकी रिहाई चीन के राज्य सुरक्षा मंत्रालय के एक अधिकारी जू यानजुन और एक चीनी नागरिक जी चाओकुन के लिए कैदी अदला–बदली का हिस्सा थी। जू को अमेरिकी विमान इंजन आपूर्तिकर्ता जीई एविएशन से तकनीक चुराने के कथित प्रयास के बाद गिरफ्तार किया गया था। जी चाओकुन पर चीनी सरकार के लिए जासूसी करने का आरोप लगाया गया था। यह नवम्बर, 2024 की बात है, जब पेइचिंग में विदेश मंत्रालय ने भी स्वीकार किया था कि उसके तीन नागरिक सुरक्षित रूप से चीन लौट आए हैं। ब्रिटिश अधिवक्ता पीटर हम्फ्रे भी मानते हैं कि चीन में लगभग 300 अमेरिकी हिरासत में हैं, और उनमें से किसी के साथ भी निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से सुनवाई नहीं हुई है। लेकिन पेइचिंग का कहना है कि सभी मामलों को कानून के अनुसार निपटाया जाता है। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा, कि हमारे नागरिकों को निशाने पर लेने वाले अमेरिका का विरोध हमेशा करते रहेंगे। दिलचस्प है कि कैदियों जैसे विषय सामने नहीं लाये जा रहे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्होंने अपने चीनी समकक्ष शी जिनपिंग से उनके शपथ ग्रहण के बाद से ही बात की है, जो बढ़ते व्यापार युद्ध के बीच निरंतर कूटनीतिक जुड़ाव का संकेत है। सोमवार शाम को फॉक्स न्यूज द्वारा प्रसारित सुपर बाउल साक्षात्कार में ट्रंप ने पुष्टि की, कि चर्चा हुई है। उन्होंने कहा कि शी और 'उनके लोगों' दोनों के साथ संवाद किया है। 'मैं उन्हें बहुत पसंद करता हूं, मुझे उनसे बात करना अच्छा लगता है, उनके लोग हमेशा आते रहते हैं।' ट्रंप ने शी के साथ अपने 'बहुत अच्छे व्यक्तिगत संबंधों' की भी सराहना की, उन्होंने कहा कि वे उन्हें 'शायद दुनिया के विभिन्न हिस्सों में किसी और से बेहतर जानते हैं'। ट्रंप ने यह नहीं बताया कि बातचीत कब हुई, और दोनों नेताओं ने क्या चर्चा की। ट्रंप ने सभी चीनी आयातों पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है। चीन ने भी अमेरिकी वस्तुओं पर अपने टैरिफ लगाए, जो सोमवार से प्रभावी हो गए।

प्राकृतिक खाद्यों में विश्व का नेतृत्व करे भारत

भारत डोगरा

विश्व की खाद्य व कृषि व्यवस्था पर चंद बहुराष्ट्रीय कंपनियों का अधिक व बढ़ता नियंत्रण एक बड़ी चिंता का विषय रहा है। एक समय अनेक किसान व सामाजिक आंदोलनों की उम्मीद थी कि इन विशालकाय कंपनियों के नियंत्रण से मुक्ति के प्रयासों में चीन से बड़ी सहायता मिलेगी। पर हाल के समय में चीन ने जो नीतियां अपनाई हैं उनसे तो लगता है कि वह स्वयं इन बहुराष्ट्रीय कंपनियों की राह पर ही चल निकला है। बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने खाद्य व्यवस्था पर अपने नियंत्रण के लिए प्रायः जेनेटिक स्तर पर संवर्धित फसलों की तकनीक का बहुत उपयोग किया है। कुछ समय तक तो चीन ने इन जीएम फसलों से अपनी दूरी बनाए रखी, पर हाल के समय में इसने तेजी से अनेक जीएम खाद्य फसलों को अपना लिया है। इसी तरह जीएम खाद्यों के आयात पर प्रतिबंध भी ढीले कर दिए गए। सबसे आश्चर्य की बात तो यह है कि चीन की एक बहुत बड़ी सरकारी नियंत्रण की कंपनी ने 43 अरब डालर के एक सौदे में ऐसी एक बड़ी पश्चिमी कंपनी का अधिग्रहण कर लिया जो जीएम फसलों के प्रसार के लिए जानी जाती है व विकासशील देशों के बीज पर अधिक नियंत्रण करने के जिसके प्रयासों की आलोचना होती रही है। लगता है कि चीन की यह सरकारी कंपनी भी आज नहीं तो कल विकासशील देशों में जीएम फसलों का प्रचार ही करेगी। इस तरह विश्व स्तर के जन–आंदोलनों व किसान आंदोलनों में चीन की इस सरकारी नियंत्रण की कंपनी की भी वैसी ही निंदा होगी जैसी कि पहले पश्चिमी देशों में स्थित बहुराष्ट्रीय कंपनियों की होती रही हैं। यह आश्चर्य की बात है कि चीन के सामान्य लोगों व उपभोक्ताओं में जीएम फसलों के प्रति बहुत नकारात्मक सोच होने के बावजूद व जन–भावनाओं की उपेक्षा करते हुए वहां की सरकार जीएम फसलों के समर्थन की राह पर चली है। एक अध्ययन में तो यह पाया गया कि केवल 12 प्रतिशत चीनी उपभोक्ताओं की ही जीएम फसलों के प्रति सकारात्मक सोच है व अधिकांश लोग उन्हें हानिकारक ही मानते हैं। एक अन्य सर्वेक्षण में यह पता चला कि 60 प्रतिशत चीन के नागरिकों की जीएम वैज्ञानिकों के प्रति नकारात्मक सोच है। इस विषय पर भारत के सबसे विख्यात वैज्ञानिक प्रो. पुष्प भार्गव आधिकारिक विशेषज्ञ थे। सुप्रीम कोर्ट ने इस विषय पर उन्हें अपने सलाहकार की तरह माना और उनका सहयोग प्राप्त किया। उन्होंने जीएम फसलों पर हुए लगभग सभी अनुसंधान पत्रों का अध्ययन कर निष्कर्ष निकाला था कि जो स्वतंत्र व निष्पक्ष वैज्ञानिक हैं उनमें लगभग सभी ने जीएम फसलों को हानिकारक पाया है। हां, जो वैज्ञानिक जीएम फसलों का प्रसार करने वाले व्यावसायिक हितों से जुड़े रहे उनकी बात अलग है। चीन की नीति में जो बदलाव आया है, वह वैज्ञानिक आधार पर नहीं आया है अपितु जीएम फसलों व खाद्यों से जुड़ी कंपनियों के नीति–निर्धारकों पर बढ़ते असर के कारण आया है। वहां के बीज व कृषि क्षेत्र में इन कंपनियों के पहले दबदबे व असर के कारण ही नीतिगत बदलाव हुए हैं। जी.एम. फसलों के विरोध का एक मुख्य आधार यह रहा है कि यह फसलें स्वास्थ्य व पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित नहीं हैं तथा यह असर जेनेटिक प्रदूषण के माध्यम से अन्य सामान्य फसलों व पौधों में फैल सकता है। इस विचार को इंडिपेंडेंट साइंस पैनल ने बहुत सारगर्भित ढंग से व्यक्त किया है। इस पैनल में एकत्र हुए विश्व के अनेक देशों के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों व विशेषज्ञों ने जी.एम. फसलों पर एक महत्वपूर्ण दस्तावेज तैयार किया जिसके निष्कर्ष में उन्होंने कहा है– 'जी.एम. फसलों के बारे में जिन लाभों का वादा किया गया था ।

स्वास्थ्य

खिलौनों के उभरते कारोबार में भरपूर रोजगार

देश में खिलौना उद्योग के तेजी से विकास को लेकर गंभीर प्रयास जारी हैं। हालिया राष्ट्रीय खिलौना कार्य योजना का मकसद यही है। लक्ष्य उच्च गुणवत्ता वाले खिलौनों का उत्पादन व निर्यात करने का है। विशेष प्रोत्साहन व मदद से यह क्षेत्र आगामी वर्षों में फले–फूलेगा जिसके तहत डिजाइन, बिजनेस और मार्केटिंग व तकनीकी पेशेवरों आदि की खूब मांग होगी।

भारत का मौजूदा खिलौना उद्योग लगभग दो अरब अमेरिकी डॉलर का है, जिसकी वैश्विक बाजार में बमुश्किल 0.75 फीसदी हिस्सेदारी है। वहीं इस उद्योग में हजारों लोगों को रोजगार मिला हुआ है। साल 2016–17 में इस उद्योग में लगभग 15 हजार उद्यमी थे और करीब 37 हजार लोगों को इसमें काम मिला हुआ था। हाल के वर्षों में देश में देसी खिलौना उद्योग को बढ़ावा दिया जा रहा है और साल 2025–26 के आम बजट में इसकी शुरुआत की गयी है, 'राष्ट्रीय खिलौना कार्य योजना' की शुरुआत से। जिसका उद्देश्य भारत को 'वैश्विक खिलौना केंद्र' के रूप में विकसित करना है। इस योजना के तहत क्लस्टर विकास, कौशल उन्नयन और विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र के विकास पर जोर दिया जायेगा, जिससे देश में उच्च गुणवत्ता वाले और मानसिक विकास को प्रोत्साहित करने वाले खिलौनों का उत्पादन संभव हो सकेगा। खिलौनों के वैश्विक बाजार में 'मेड इन इंडिया' ब्रांड को मजबूती देने की कोशिश की जायेगी। इस उद्योग में बहुत तेजी से विकास की संभावना है। इसलिए जल्द ही खिलौना उद्योग में बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा होगा।

दरअसल राष्ट्रीय खिलौना कार्य योजना खिलौना उद्योग को महत्वपूर्ण निर्माण क्षेत्र के रूप में प्रतिष्ठित करेगी। खिलौना निर्माण के लिए विशेष क्लस्टर बनाये जाएंगे जिनमें छोटे और मध्यम उद्यमों को प्रोत्साहन मिलेगा। खिलौना विनिर्माण की इकाइयों के लिए बुनियादी संसाधन उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया है। ये इकाइयां को टैक्स से दूर रखी जायेंगी और हर तरह सहायता दी जायेगी। वहीं कारीगरों और श्रमिकों को नयी तकनीकों और डिजाइनों की ट्रेनिंग दी जायेगी। सरकार स्थानीय डिजाइनों और उसमें भारतीय संस्कृति के समावेश को बढ़ावा देगी और भारतीय खिलौनों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए निर्यात प्रोत्साहन योजना भी लागू करेगी। विदेशी कंपनियों के साथ साझेदारी को बढ़ावा देने की भी बात कही है। स्पष्ट है कि आने वाले दिनों में भारतीय खिलौना उद्योग खूब फले फूलेगा। भरपूर निवेश आयेगा। नये स्टार्टअप्स शुरू होंगे। जाहिर है, बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन होगा, जो कैरियर के लिहाज से खिलौना उद्योग को महत्वपूर्ण क्षेत्र निर्मित करेगा।

नौकरी की संभावनाएं

इस क्षेत्र में विशेषकर डिजाइन और इनोवेशन के फील्ड में कई तरह के कुशल खिलौना डिजाइनरों की मांग है। प्रमुख रूप से टॉय डिजाइनर जो खिलौनों के नये नये डिजाइन तैयार करता है, प्रोडक्ट्स डेवेलपर जो इस उद्योग कंसेप्ट से प्रोटोटाइप तक का काम करता है और यूएक्सध्यूआई डिजाइनर जो डिजिटल स्मार्ट खिलौनों को बच्चों के अनुकूल बनाता है– ऐसे कुशल तकनीशियनों की मांग है। इसके अलावा खिलौना उद्योग की मैन्यूफैक्चरिंग इकाइयों में प्रोडक्शन इंजीनियर तथा क्वालिटी कंट्रोल एक्सपर्ट की भी जरूरत है। बिजनेस और मार्केटिंग के क्षेत्र में यहां ब्रांड मैनेजर, सेल्स मैनेजर और एक्सपर्ट मैनेजर की जरूरत होती है, जो खिलौना ब्रांड्स को प्रमोट करते हैं, बिक्री रणनीति तैयार करते हैं और विदेशी बाजार तलाशने में भूमिका निभाते हैं। अब दुनिया के ज्यादातर हिस्सों में बच्चे अधिक जीवंत और दिमाग को चुनौती देने वाले खिलौने चाहते हैं। ये मांग तभी पूरी हो सकती है जब खिलौना उद्योग तेजी से फले–फूले।

जरूरी शैक्षिक योग्यता और प्रमुख संस्थान

खिलौना उद्योग में चमकदार कैरियर तलाशने के लिए आवश्यक शैक्षिक योग्यताओं में कुछ बेहद कारगर साबित होंगी। मसलन, बेचलर ऑफ डिजाइंस, इंडस्ट्रियल डिजाइन, टॉय डिजाइन रू इन कोर्सेज के लिए नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन अहमदाबाद, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) डिजाइन डिपार्टमेंट, आईआईटी बॉम्बे, एमआईटी इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन पुणे, पर्ल एकेडमी, दिल्लीध्मुंबई से भी डिजाइन क्षेत्र में डिग्री ली जा सकती है। वहीं आईआईटी गांधीनगर में टॉय डिजाइन में सर्टिफिकेट कोर्स उपलब्ध है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन और एमआईएफटी में भी शॉट टर्म डिजाइन कोर्स उपलब्ध है। इसके अलावा मैन्युफैक्चरिंग और इंजीनियरिंग के लिए बीटेकध्डिप्लोमा इन प्लास्टिक इंजीनियरिंग करना भी इस क्षेत्र में रोजगार के लिए उपयोगी है। भारत के कई बड़े शहरों में ये विभिन्न तरह के संस्थान उपलब्ध हैं। इस क्षेत्र के लिए एमबीए इन मार्केटिंगध्इंटरनेशनल बिजनेस करनी हो तो सभी आईआईएमएस, एसपीजैन इंस्टीट्यूट और सिंबोयसिस जैसे संस्थानों से डिग्री और डिप्लोमा हासिल किया जा सकता है। वहीं अगर डिजिटल टॉयज, वीडियो गेम्स और इंटरेक्टिव खिलौनों में रुचि है तो सॉफ्टवेयर और गेमिंग में बीटेक, बीएससी इन गेम डिजाइन और एक्चुअल रियल्टीध वर्चअल रियल्टी टेक्नोलॉजी में डिग्री हासिल करके इस क्षेत्र में प्रवेश किया जा सकता है जिसके लिए आईआईटी बॉम्बे, आईसीएटी डिजाइन इन मीडिया कॉलेज, बंग्लुरु प्रमुख शिक्षण संस्थान हैं।

वेतन की बात

खिलौना उद्योग में अलग–अलग प्रोफेशनल्स के लिए 6 से 12 लाख रुपये तक की प्रारंभिक नौकरियां मिल सकती हैं और एक और दो साल के अनुभव के बाद ये 12 से 40 लाख रुपये सालाना की नौकरी बन सकते हैं। अगर इस क्षेत्र में मौजूद बड़ी बड़ी कंपनियों की बात है तो फन स्कूल इंडिया लिमिटेड, सन लॉर्ड टॉयज, मिराना टॉयज, टॉय पार्क इंडिया और स्किल मैट्रिक्स जैसी भारतीय कंपनियां तो लियो इंडिया, मैटल टॉयज और हास्ब्रो इंडिया नामक बड़ी कंपनियां मौजूद हैं, जो खिलौना उद्योग के प्रशिक्षित एग्जीक्यूटिव को शानदार कैरियर का ऑफर देते हैं। मेक इन इंडिया और वोकल फॉर लोकल आह्वानों के चलते घरेलू खिलौना उद्योग ताकतवर ढंग से उभरने के लिए तैयार है। अगर आपको क्रिएटिविटी टेक्नोलॉजी या बिजनेस में रुचि है तो खिलौना उद्योग में हासिल करने काबिल बहुत सारे अवसर मौजूद हैं।

बदलते मौसम में इम्यूनिटी पर हमला

बदलते मौसम में शरीर पर असर पड़ता है, जिससे हमें सर्दी–खांसी, बुखार, और एलर्जी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। खासकर जब रात को ठंड और दिन में गर्मी होती है, तो यह शरीर को कमजोर बना सकता है। ऐसे में अगर इम्यूनिटी कमजोर है, तो बीमार होने का खतरा और भी बढ़ जाता है। इसलिए जरूरी है कि आप बदलते मौसम में अपनी सेहत का ध्यान रखें। यहां कुछ टिप्स दिए गए हैं, जिन्हें अपनाकर आप मौसम के बदलाव के साथ खुद को फिट रख सकते हैं।

पौष्टिक भोजन का सेवन करें

बदलते मौसम में शरीर को अंदर से मजबूत रखने के लिए पौष्टिक और सही आहार का सेवन करना जरूरी है। ताजे फल, हरी पत्तेदार सब्जियां और उबले हुए अनाज जैसे दलिया, चिउड़े, और ओट्स खाना शरीर के लिए फायदेमंद होता है। इन चीजों में विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाते हैं और शरीर को संक्रमण से बचाते हैं। इसके अलावा, सीजनल फल जैसे संतरा, आमला, सेब, और पपीता भी खाने से शरीर को विटामिन ब मिलता है, जो इम्यूनिटी को बढ़ाता है। साथ ही, तला–भुना और ज्यादा मसालेदार खाना कम खाएं क्योंकि ये पेट में परेशानी और शरीर में सूजन का कारण बन सकते हैं।

हल्के गर्म कपड़े पहनें

जब मौसम में बदलाव होता है तो शरीर को अनुकूलन करने में समय लगता है। गर्मी और ठंड के बीच इस असंतुलन से बचने के लिए हल्के गर्म कपड़े पहनना जरूरी है। दिन में जब तापमान बढ़ता है तो गर्म कपड़े पहनने से बचें, लेकिन सुबह और शाम के समय हल्के स्वेटर या शॉल का इस्तेमाल करें। इससे आप ठंड से बचेंगे और बीमारियों से बचने में मदद मिलेगी। खासकर बुजुर्गों और बच्चों को इस मौसम में खास ध्यान देने की जरूरत है क्योंकि उनका इम्यून सिस्टम ज्यादा कमजोर हो सकता है।

पानी का सही मात्रा में सेवन करें

पानी हमारे शरीर का एक अहम हिस्सा है, जो शरीर के सभी अंगों को सही तरीके से काम करने में मदद करता है। बदलते मौसम में शरीर की पानी की जरूरत भी बदल सकती है। इसलिए दिनभर में कम से कम 8–10 गिलास पानी पीना चाहिए, ताकि शरीर हाइड्रेटेड रहे और शरीर से विषैले पदार्थ बाहर निकल सकें। इसके अलावा, गर्मी बढ़ने के साथ शरीर से पसीना भी ज्यादा निकलता है, जिससे शरीर में पानी की कमी हो सकती है। इस स्थिति में अधिक पानी पीने से शरीर में पानी की कमी नहीं होने पाएगी।

अच्छी नींद और एक्सरसाइज करें

अच्छी सेहत के लिए अच्छी नींद बहुत जरूरी है। बदलते मौसम में अक्सर लोग रात को देर तक जागते हैं या फिर कम नींद लेते हैं, जिससे शरीर कमजोर हो जाता है। कोशिश करें कि आप हर रात कम से कम 7–8 घंटे की नींद लें, ताकि आपका शरीर पूरी तरह से रीचार्ज हो सके और इम्यूनिटी मजबूत बनी रहे। साथ ही, नियमित हल्की एक्सरसाइज, जैसे योग, वॉकिंग या हल्की स्ट्रेचिंग, से शरीर में रक्त संचार बेहतर रहता है, जिससे बीमारियों से लड़ने की ताकत मिलती है।

तनाव से बचें

बदलते मौसम में कभी–कभी शारीरिक और मानसिक तनाव भी बढ़ जाता है। तनाव से शरीर में हार्मोनल बदलाव आते हैं, जो इम्यून सिस्टम को कमजोर कर सकते हैं। इसलिए इस मौसम में मानसिक शांति बनाए रखना बेहद जरूरी है। इसके लिए आप ध्यान, प्राणायाम, या हल्की टहलील का सहारा ले सकते हैं, ताकि मन शांत रहे और शरीर भी स्वस्थ रहे।

स्वच्छता का ध्यान रखें

बदलते मौसम में संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ जाता है, इसलिए स्वच्छता का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। दिन में कई बार हाथ धोने की आदत डालें, खासकर जब आप बाहर से आएं या खाने से पहले। इसके अलावा, मास्क का इस्तेमाल करें अगर आप किसी भी तरह की एलर्जी या फ्लू से पीड़ित हों, ताकि आप दूसरों को संक्रमण न फैला सकें।

बदलते मौसम में खुद को फिट और स्वस्थ रखने के लिए सही आहार, पानी, हल्की एक्सरसाइज, और मानसिक शांति जरूरी हैं। इन टिप्स का पालन करके आप मौसम से होने वाली बीमारियों से बच सकते हैं और अपनी सेहत को बेहतर बना सकते हैं। यदि आपको किसी प्रकार की गंभीर समस्या का सामना हो, तो डॉक्टर से परामर्श जरूर लें।

संदिग्ध परिस्थियों में युवती ने लगाई फंसी मौत

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां कोतवाली थाना क्षेत्र के उमरपुर काली कुत्ती में एक 20 वर्षीय युवती ने फांसी लगाकर अपनी

जीवन लीला समाप्त कर ली। मृतका की पहचान सुरेश बिंद की बेटी राधा बिंद के रूप में हुई है। घटना शुक्रवार को हुई, जब राधा ने किसी बात से नाराज होकर छत पर लगे चुल्हे के सहारे दुपट्टे से फांसी लगा ली। जब परिवार को इस बात का पता चला, तो उन्होंने दरवाजा तोड़कर देखा और राधा को दुपट्टे के सहारे लटका हुआ पाया। परिवार के सदस्य तुरंत उसे अपने निजी वाहन से जिला अस्पताल ले गए, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कोतवाली प्रभारी मिथिलेश मिश्रा के अनुसार, शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच की जा रही है। युवती की आत्महत्या के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। इस घटना से परिवार में शोक की लहर है।

प्रदूषण से बचाव के लिए स्प्रिंकलर वाहन नगर को समर्पित

अयोध्या। प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में कदम उठाते हुए अयोध्या नगर निगम ने शुक्रवार को स्प्रिंकलर वाहन पूजन–अर्चन के साथ नगर को समर्पित किया। लगभग आठ हजार लीटर क्षमता के इस वाहन को नारियल फोड़कर पूजन– अर्चन के के बाद हरी झंडी दिखाकर महापौर गिरीशपति त्रिपाठी ने रवाना किया।डेमो के तहत नगर के पेड़ पौधों की धुलाई की गई।इस मौके पर महापौर ने कहा कि इस मशीन से अयोध्या की हरियाली को बढ़ावा मिलेगा। पार्क के अलावा अन्य स्थानों पर लगे पेड़–पौधों की सिंचाई एवं सफाई हो सकेगी। इससे नगर को वायु प्रदूषण से निजात दिलाने में मदद मिलेगी। इस मौके पर नगर आयुक्त संतोष कुमार शर्मा, पार्षद अनिल कुमार सिंह, रामभवन यादव, राजेश गौड़, कर्पूरी ठाकुर, ओरौनी पासवान, पार्षद प्रतिनिधि धर्मेंद्र मिश्र, अपर नगर आयुक्त जलकर वागीश शुक्ल, सीएफआई कमल कुमार, सहायक अभियंता जय कुमार आदि मौजूद रहे।

17, 18, 19 मार्च को जौनपुर महोत्सव का होगा आयोजन – गिरीश चंद्र यादव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर 14 फरवरी। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण उ0प्र0 गिरीश चंद्र यादव की अध्यक्षता में आगामी जौनपुर महोत्सव की तैयारी के संदर्भ में बैठक निरीक्षण भवन जौनपुर में संपन्न हुई। बैठक में मंत्री में मंत्री ने बताया कि आगामी 17, 18, 19 मार्च 2025 को जौनपुर महोत्सव आयोजित होना प्रस्तावित है। तीन दिवसीय महोत्सव के दौरान

रोजगार मेले का आयोजन, कवि सम्मेलन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, सामूहिक विवाह के आयोजन सहित योजनाओं के प्रचार–प्रसार हेतु विभिन्न विभागों द्वारा स्टाल लगाए जाने आदि विषयों पर चर्चा हुई। मंत्री द्वारा समस्त सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि अपने विभाग से सम्बन्धित तैयारिया समय से पूर्ण कर ले। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी साईं तेजा सीलम, जिला विकास अधिकारी मीनाक्षी देवी, पर्यटन सूचना अधिकारी मीनाक्षी यादव, समाज कल्याण अधिकारी नीरज पटेल, अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका सहित अन्य उपस्थित रहे।

इंडियन बैंक द्वारा अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। इंडियन बैंक द्वारा होटल रेनेंसा में आयोजित अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का उदघाटन इंडियन बैंक के कार्यपालक निदेशक ब्रजेश कुमार सिंह द्वारा किया गया। अपने अध्यक्षीय भाषण में श्री सिंह ने राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में इंडियन बैंक की उपलब्धियों को रेखांकित किया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. हरि ओम आईएएस, प्रमुख सचिव, समाज कल्याण विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार ने अपने संबोधन में भाषा को जनता के साथ जोड़ने की बात कही। उन्होंने आम जन की भाषा को कार्यालयीन भाषा के रूप में व्यवहार किए जाने पर बल दिया। उद्घाटन के दौरान गणेशरामन ए, मुख्य महाप्रबंधक, इंडियन बैंक एवं मनोज कुमार दास, महाप्रबंधक, इंडियन बैंक भी उपस्थित थे। ब्रजेश कुमार सिंह ने एफजीएमओ परिसर के नरही बाजार की तरफ स्थापित नए एटीएम का उद्घाटन भी किया। उद्घाटन के दौरान सीजीएम लखनऊ सुधीर कुमार गुप्ता, डीजीएम श्याम शंकर और जोनल हेड लखनऊ प्राणेश कुमार भी उपस्थित थे। यह यात्रा बैंकिंग क्षेत्र में डिजिटलीकरण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

भारी भीड़ के चलते गुदरी बाजार सहित अन्य क्षेत्रों में भी पर्याप्त संख्या में सुरक्षा कर्मी रहे तैनात

अयोध्या ।बसंत पंचमी के बाद से कुंभ मेला प्रयागराज से लाखों की संख्या में श्रद्धालु रामनगरी में आकर रामलला सहित अन्य प्रमुख मंदिरों

पर दर्शन पूजन कर रहे हैं। बसंत पंचमी के दूसरे दिन यानी कि गुरुवार को अयोध्या धाम ही नहीं बल्कि आसपास के क्षेत्र में श्रद्धालुओं की भारी संख्या में भीड़ देखी गई। देखा जाए तो इस लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं की इस भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पहले जिला व पुलिस प्रशासन लता मंगेशकर चौक, टेढ़ी बाजार, उदया चौराहा सहित अन्य ऐसे क्षेत्र जो कि अयोध्या धाम से सटे हुए थे वहां पर श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्राप्त संख्या में सुरक्षा कर्मियों की तैनाती रही।लेकिन गुरुवार से बढ़ती भीड़ को देखते हुए जिला व पुलिस प्रशासन ने कोतवाली नगर क्षेत्र सहित अयोध्या नगर के प्रमुख स्थानों पर पर्याप्त संख्या में सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई थी।जिसमें खासकर बेनीगंज चौराहा गुदरी बाजार सहित अन्य प्रमुख ऐसे क्षेत्र थे जहां पर सुरक्षा कर्मी बैरियर के माध्यम से खासकर ई रिक्शा चालकों को और जो वहां बाहरी थे।उन्हें अयोध्या धाम की ओर जाने से रोका जा रहा था।शुक्रवार को कोतवाली नगर क्षेत्र के राम पथ पर गुदरी बाजार के पास सीओ सिटी शैलेंद्र सिंह, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अश्वनी पांडे चौकी चौक प्रभारी धर्मेंद्र सहित अन्य थानों की फोर्स भीड़ को नियंत्रित करने में जुटी हुई थी। इन अधिकारियों ने बताया कि अगले आदेश तक इन जगहों से खासकर ई रिक्शा वह बाहरी वहां अयोध्या धाम की ओर जाने के लिए प्रतिबंधित रहेंगे।

जिलाधिकारी ने दिव्यांग को दी योजनाओं की सौगात, जिलाधिकारी ने फिर जीता दिल

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

आज जन सुनवाई के दौरान एक गरीब दिव्यांग शिवकली पुत्री बृजलाल अपनी माँ के साथ जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह के पास पहुँची। उनकी माँ ने बताया कि उनकी बेटी दिव्यांग है। उन्होंने कहा कि सर कुछ मदद कर दीजिये। जिलाधिकारी ने तत्काल जिला दिव्यांग कल्याण अधिकारी, जिला कृषि अधिकारी, समाज कल्याण अधिकारी, पूर्ति निरीक्षक, आयुष्मान समन्वयक को कक्ष में बुलाया। दिव्यांग कल्याण अधिकारी को उन्होंने तत्काल निर्देश दिए कि शिवकली की तत्काल दिव्यांग पेंशन बनवायी जाये। समाज कल्याण अधिकारी को निर्देश दिए कि उनके पिता व माता की वृद्धावस्था पेंशन बनवाई जाये। जिला कृषि अधिकारी को उन्होंने निर्देशित किया कि उनके पिता की किसान सम्मान निधि प्रारम्भ करायी जाये। बीडीओ सुरसा को उन्होंने वर्चुअल माध्यम से निर्देश दिए कि घर में व्यक्तिगत शौचालय उपलब्ध कराया जाये। पूर्ति निरीक्षक को उन्होंने निर्देश दिए कि परिवार का अंत्योदय राशन कार्ड बनवाया जाये। आयुष्मान समन्वयक को निर्देश दिए कि शिवकली का आयुष्मान कार्ड बनवाया जाये। शिवकली की माँ ने बताया कि जिलाधिकारी की सदाशयता के बारे में दूसरे लोगों से सुनकर वह प्राइवेट बस से हड़्हा मढ़िया मजरा फरीदापुर से हरदोई आयी। उनकी बेटी शिवकली की 2 वर्ष की उम्र में आँखों की रोशनी चली गयी थी। उनको व उनके पति को अभी वृद्धावस्था पेंशन नही मिल रही है।अन्य सरकारी योजनाओं के लाभ भी नहीं मिल पा रहे हैं। आज उनका जिलाधिकारी ने मिलना सफल हो गया। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी के बारे में जितना सुना था वह तो उससे भी बढ़कर निकले। जिलाधिकारी ने उनकी माँ से खुलकर बात की और बुधवार को पुनः बुलाया और

कहा कि बुधवार को समाज कल्याण अधिकारी द्वारा परिवार को मुख्यालय लाया जायेगा। जिलाधिकारी के इस रूप की कक्ष में मौजूद लोगों ने भी भूरि भूरि प्रशंसा की। एक लोगों ने तो इसकी तुलना कृष्ण सुदामा मिलन तक से कर डाली।

श्री अयोध्या सिंह मेमोरियल इण्टर कॉलेज में विज्ञान, कला एवं क्राफ्ट प्रदर्शनी आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। श्री अयोध्या सिंह मेमोरियल इण्टर कॉलेज चिनहट लखनऊ में विज्ञान, कला एवं क्राफ्ट प्रदर्शनी के साथ–साथ बाल मेले का भी आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि राम चंद्र प्रधान एम.एल.सी. उन्नाव ने मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर प्रदर्शनी का शुभारम्भ किया। उन्होंने कहा कि विद्यालय में लगने वाली प्रदर्शनियां बच्चों के भीतर छिपी प्रतिभा को बाहर निकालने का काम करती है। विद्यालय के डायरेक्टर एल. एम.पी. सिंह एवं प्रबंधक शैल सिंह सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। जिसमें शहीद भगत सिंह वार्ड के पार्षद प्रतिनिधि अरविंद यादव, जिला महामंत्री भाजपा धर्मेन्द्र सिंह, आदि प्रमुख रहे। प्रदर्शनी में विद्यालय के सभी बच्चों ने अपने–अपने मॉडल बना कर रखे। विज्ञान प्रदर्शनी में जहां बच्चों की वैज्ञानिक सोच दिखाई दी वहीं आर्ट एंड क्राफ्ट में बच्चों की क्रिएटिविटी की झलक देखने को मिली। कॉमर्स डिपार्टमेंट के बच्चों ने जमा एवं निकासी प्रणाली को दर्शाया। साथ ही देश की अर्थव्यवस्था के जरूरी स्तंभों को दर्शाने का प्रयास किया। प्रदर्शनी में साहित्य को भी बच्चों

ने विशेष महत्व दिया एवं महत्वपूर्ण सहित्यों एवं कवियों पर प्रकाश डाला। प्रदर्शनी में प्रेम मन्दिर, नया संसद भवन, चन्द्रयान, गणित के समुच्चय सिद्धांत एवं सूत्रों को दर्शाने के लिए बनाए गए मॉडल आकर्षण का केन्द्र रहे। भारत के विभिन्न राज्यों जैसे– उत्तर–प्रदेश , पंजाब, राजस्थान एवं असम आदि राज्यों के रहन–सहन, वेश–भूषा , खान–पान एवं लोकनृत्य आदि को बच्चों ने अपनी कला के माध्यम से दर्शाया। प्रदर्शनी में सबसे अधिक सराहे जाने वाले मॉडल के लिए वोटिंग स्लिप भी रखी गई। विज्ञान प्रदर्शनी में बच्चों द्वारा बनाए गए मॉडल्स में इलेक्ट्रिक जेनेरेटर, माइक्रोस्कोप, विंड एनर्जी, स्मॉग कनवर्टर इन टू ग्रीस जैसे मॉडल काफी पसंद किये गए। क्राफ्ट में भी एक से बढ़कर एक नए क्रिएटिव वर्क प्रदर्शित किये गए। छोटे बच्चों द्वारा बनायी गई मधुबनी पेंटिंग भी काफी आकर्षक रही। छात्रों ने समाज के ज्वलंत मुद्दों जैसे– सड़क सुरक्षा, प्रदूषण समस्या, ऊर्जा संरक्षण, बेटी बचाओ – बेटी पढ़ाओं को भी उठाया और समाज को जागरुक करने का प्रयास किया। वर्तमान समय में आयुर्वेद के योगदान ने सभी को आकर्षित किया है। इसकी झलक इस प्रदर्शनी में बच्चों के माध्यम से देखने को मिली। क्राफ्ट प्रदर्शनी में बच्चों ने वेस्ट मैटीरियल का इस्तेमाल कर आकर्षक मॉडल बनाए जिसको दर्शकों द्वारा काफी सराहा गया। कॉमर्स के बच्चों ने मार्केट और मुद्रा के फ्लो पर विशेष ध्यान आकर्षित किया। बाल मेले में भी कई तरह के गेम और फूड स्टॉल लगाए गए। इन सभी स्टॉल को शिक्षकों के मार्गदर्शन में बच्चे ही संचालित कर रहे थे। मेले में लगाए गए फूड स्टॉल एवं खेल का बच्चों ने खूब आनंद लिया।

सरकार की मंशा के अनुरूप त्वरित रूप से उनकी समस्याओं को निस्तारित लेखपाल - जिलाधिकारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर 14 फरवरी, जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र के द्वारा तहसील सदर में बने लेखपाल संघ भवन का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी द्वारा दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि सार्वजनिक भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराकर नेपियर घास बोई जाए जिससे मुख्यमंत्री जी की प्रेरणा से गौशालाओं में और उत्कृष्ट व्यवस्था सुनिश्चित की जा सकें। जिलाधिकारी ने लेखपालों को यह भी निर्देशित किया कि अपने अपने क्षेत्रों में खाली जमीनो पर

नैपियर घास बोये जाये। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को गरिमा पूर्ण ढंग से कार्य करने और बैठने के लिए एक स्थान की आवश्यकता होती है जनपद में लेखपाल संघ भवन का जीर्णोद्धार कराया गया है उसका आज लोकार्पण किया गया जहां पर लेखपाल बैठकर जनता की सुनवाई करेंगे और सरकार की मंशा के अनुरूप त्वरित रूप से उनकी समस्याओं को निस्तारित करेंगे।

प्रधानमंत्री आवास योजना–शहरी 2.0 के लिए आनलाइन आवेदन शुरू

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । प्रधानमंत्री आवास योजना–शहरी 2.0 के लिए आनलाइन आवेदन शुरू हो गया। उक्त जानकारी देते हुए जिलाधिकारीध्अध्यक्ष डूडा डा0 दिनेश चन्द्र ने बताया कि ऐसे लाभार्थी परिवार जिनको 20 वर्षो में केन्द्र सरकार अथवा राज्य सरकार के किसी भी आवास योजना के तहत लाभ प्राप्त न हुआ हो, वह प्रधानमंत्री आवास योजना–शहरी 2.0 के वेबसाइट https://pmaymis.gov.in/PMAYMIS22024/PMAYSURVEY/EligiblityCheck.aspx पर आन–लाइन आवेदन सकते हैं। इस सम्बन्ध में निकाय द्वारा मांग को सत्यापित करते समय लाभार्थी को एक स्व–घोषणा पत्र देना होगा। आवेदक को नगर पालिका परिषद अथवा नगर पंचायत क्षेत्र का स्थाई निवासी होना आवश्यक है। जिलाधिकारी ने बताया कि आवास के लिए आवेदक के पास न्यूनतम 30–45 वर्गमीटर विवाद रहित जमीन होना जरूरी है। आवेदक एवं उसके परिवार के अन्य सदस्यों के पास देश में कहीं भी पक्का मकान नहीं होना चाहिए। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लाभार्थी के लिए अधिकतम तीन लाख रूपये का वार्षिक आय निर्धारित है। लाभार्थी के परिवार में पति–पत्नी, अविवाहित पुत्र और अविवाहित पुत्री शामिल होंगी।उन्होंने बताया कि लाभार्थी के परिवार के यदि किसी सदस्य ने प्रधानमंत्री आवास योजना–शहरी 1.0 में लाभ प्राप्त किया है तो वह प्रधानमंत्री आवास योजना–शहरी 2.0 में आवेदन करने हेतु अपात्र होगा। आवेदक को आवासीय सुविधा का लाभ प्राप्त करने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना–शहरी 2.0 के घटक बेनिफिशरी लेड कन्स्ट्रक्शन (बीएलसी) में आवेदन करना होगा तथा आवेदन के समय सभी कालमों में वांछित सूचना भरना होगा। आवेदन के समय आवेदक के पास मोबाइल नम्बर लिंक आधार कार्ड, आय प्रमाण पत्र, बैंक पासबुक जो आधार कार्ड से जुड़ा हो, जमीन के कागजात, परिवार के लोगों का आधार कार्ड एवं आवेदक के माता–पिता का आधार कार्ड होना आवश्यक है। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत आवेदक रू0 2.50 लाख तीन किस्तो में प्राप्त होगा। लाभार्थी द्वारा यदि एक वर्ष के भीतर आवास पूर्ण करा लेता है, तो 10 हजार, विधवा अथवा तलाकशुदा महिला द्वारा एक वर्ष में आवास पूर्ण कराने पर 20 हजार एवं वृद्धजनों द्वारा 01 वर्ष में आवास पूर्ण कराने हेतु 30 हजार और दिया जायेगा। उन्होंने बताया कि योजनान्तर्गत विधवाओं, अविवाहित महिलाओं, दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिकों, ट्रांसजेंडर्स, अनुसूचित जातिध्अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यकों एवं समाज के अन्य कमजोर व वंचित वर्गो, सफाई कर्मियों, पी0एम0 स्वनिधि योजना में लाभान्वित स्ट्रीट वेंडरों, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना से आच्छादित विभिन्न कामगारों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, भवन और अन्य निर्माण श्रमिकों, झुग्गियोंध्चॉल के निवासियों को स्पेशल फोकस ग्रुप में सम्मिलित करते हुए प्राथमिकता दी जायेगी।

बाराबिरवा, आशियाना, एल डी ए -सेक्टर बी के व्यापारियों ने मंगल बाजार के कारण होने वाली परेशानियों एवं अव्यवस्था से त्रस्त होकर लामबंद होकर बैठक आयोजित की

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। बाराबिरवा, आशियाना, एलडीए–सेक्टर बी के व्यापारियों की एक बड़ी बैठक फीनिक्स मॉल के पास स्थित मूनलाइट होटल में आयोजित हुई। बैठक में उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मण्डल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहें। बाराबिरवा, आशियाना, एलडीए सेक्टर बी के व्यापारियों ने प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता को मंगल बाजार लगने के कारण होने वाली परेशानियों से अवगत कराया। व्यापारियों ने प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता से कहा अवध चौराहे से लेकर लोकबंधु अस्पताल तक लगने वाली मंगल बाजार में 2000 से अधिक दुकानें लगती हैं जिसके कारण बाजार में अत्यधिक अव्यवस्था होती है। तथा ग्राहकों को आने में असुविधा होती है और स्थायी व्यापारियों का व्यापार चौपट होता है। व्यापारियों ने प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता को बताया इस क्षेत्र में लोक बंधु अस्पताल,अपोलो हॉस्पिटल, एसकेडी हॉस्पिटल, ग्रीन मेडिकल हॉस्पिटल, राजाराम हॉस्पिटल सहित कई बड़े अस्पताल हैं तथा स्टैला मेली लखनऊ पब्लिक, एलेन ,फिजिक्स वाला सहित कई अनेक बड़े विद्यालय एवंकोचिंग संस्थान

तथा बैंक भी है जिसके कारण नागरिकों, छात्रों एवं मरीजों को भी बड़ी असुविधा होती है व्यापारियों ने एक स्वर से मंगल बाजार को अन्यत्र स्थानांतरित करने के मांग की। उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मण्डल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने व्यापारियों से शीघ्र ही जिलाधिकारी एवं मंडलायुक्त से मिलकर व्यापारियों की समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन दिया। प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने कहा कि इसी सप्ताह मंडलायुक्त एवं जिलाधिकारी से मिलकर मंगल बाजार को अन्यत्र स्थापित करने की मांग की जाएगी। स्थानीय व्यापारियों ने बैठक में सीवर एवं पार्किंग की समस्या का मुद्दा भी बैठक में उठाया। बैठक में उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मण्डल के प्रदेश मंत्री संदीप सिंह गौड़ ,प्रदेश कोषाध्यक्ष मोहम्मद अफजल विशेष रूप से मौजूद रहे तथा व्यापारी नेता महेंद्र कुमार गुप्ता, पी डी वर्मा, गुलशन जौहर, शशि अरोड़ा, प्रदीप कुमार अहिरवार, सुनीता सिंह, अखिल मिश्रा, राजेश कुमार, गीतेश चावला, सौरभ,तजेन्द्र यादव ,रामलाल यादव, मुख्तारूल हसन, प्रदीप शुक्ला सहित बड़ी संख्या में व्यापारी मौजूद रहे।

आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने ट्रामा का निरीक्षण किया, अधिकारियों को बैठक में दिए निर्देश

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

उत्तर प्रदेश सरकार के आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने शुक्रवार शाम को लखनऊ रोड स्थित ट्रामा सेंटर को आम जनमानस के इलाज के लिए त्वरित रूप से चलाने, सामु0स्वा0 केन्द्र बेंहदर, भरावन, कोथावां एवं शाहाबाद से एक–एक चिकित्सा अधिकारी नियुक्त करने, 03 फार्मासिस्ट, 06 उपचारिका (स्टाफ नर्स), 03 वार्ड बॉय एवं 03 स्वीपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी को अपने स्तर से नियुक्त करने, प्रधानाचार्य मेडिकल कालेज को 02 जूनियर रेजीडेन्ट डॉक्टर, 03 एम0पी0डब्लू0 एवं 01 ओ0टी0 टेक्नीशियन ट्रामा सेंटर को उपलब्ध कराने एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, 100 शैय्या चिकित्सालय को 01 जनरल सर्जन, 01 ऑर्थोपेडिक सर्जन, 01 एनेस्थीसिया डॉक्टर, 01 ई0एन0टी0 सर्जन ऑनकॉल ड्यूटी

हेतु ट्रामा सेंटर में लगाने के निर्देश दिए। साथ ही 100 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय, नयागांव, मुबारकपुर, हरदोई के ओ0पी0डी0 कक्षों, भर्ती वार्डों, दवा वितरण केन्द्र एवं पैथालॉजी केन्द्र का भी निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, 100 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय, नयागांव मुबारकपुर, हरदोई को आधुनिक उपकरणों हेतु अपनी विकास निधि से रुपए 25 लाख देने की श्री अग्रवाल ने घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि हरदोई की जनता उनका परिवार है और उसके स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध हूं।

काशी में 1962 को बना था मीडियम वेव ट्रांसमीटर

वाराणसी, (संवाददाता)। विविधा भारती... एक जमाना था, जब ट्रांजिस्टर रेडियो पर ये लाइन सुनने को मिल जाया करती थी। गूगलकालीन दुनिया ने इस आवाज को खत्म तो नहीं किया, लेकिन कुछ बदलाव जरूर कर दिए। रेडियो पर गाने सुनने और सुनाने की फरमाइश की व्यवस्था भी बदल गई है। पीएम नरेंद्र मोदी के मन की बात के प्रसारण और तकनीक ने रेडियो को जिंदा कर दिया है। वाराणसी के सारनाथ में मीडियम वेव (तरंगें) ट्रांसमीटर और स्डूटियो का उद्घाटन 28 अक्तूबर 1962 को हुआ था। इसके बाद स्टूडियो को महमूरगंज में स्थापित कर दिया गया, फिर इसका उद्घाटन 1 अगस्त 1983 को हुआ। आकाशवाणी वाराणसी के पूर्व वरिष्ठ उद्घोषक पांडुरंग लक्ष्मीकांत पुराणिक बताते हैं कि समय के साथ रेडियो को भी बदला गया है। आज रेडियो का अपना एप है। व्हाट्सएप और यूट्यूब पर भी गाने सुने जा रहे हैं। ई–मेल के माध्यम से फरमाइशें की जाती हैं। प्रतिदिन सैकड़ों–हजारों पत्र भी आते हैं। पड़ाव के सूजाबाद में रहने वाले 60 वर्षीय इकबाल खान के पास कुछ वर्षों से ट्रांजिस्टर रेडियो मरम्मत के काम आने लगे हैं। उनका अकेले का खर्चा निकल जाता है। वे बताते हैं कि जब से पीएम मोदी के मन की बात की शुरुआत हुई है, तब से कुछ लोग रेडियो को पूछने जरूर लगे हैं। इकबाल के हाथों में उम्र की झुर्रियां जरूर पड़ गई हैं, लेकिन जब वे रेडियो बनाते हैं तो उन्हें अपनी जवानी के दिन याद आ जाते हैं। इस बात की तस्दीक उनकी पत्नी शैरून निशा भी करती हैं, क्योंकि एक ट्रांजिस्टर रेडियो वे भी अपने मायके से दहेज में लेकर आई थीं। एक दौर था, जब हुकुलगंज स्थित इकबाल की दुकान पर सैकड़ों रेडियो मरम्मत के लिए आते थे। रेडियो ट्यूनर को सही फ्रीक्वेंसी पर सेट करवाने के लिए ही सही, पर उनकी दुकान गुलजार रहती थी। वे बताते हैं कि रेडियो सुनने वाले कभी–कभार आ जाते हैं, तो मुझे भी अच्छा लगता है। इसी बहाने अपना हुनर काम आ जाता है। पहले के रेडियो क्वायल बेस बनते थे, उनमें मजबूती होती थी। अब तो सारा काम एक प्लेट और आइसी पर रहता है।

अयोध्या मंडल कमिश्नर को संबोधित प्रशासनिक बंदिशों से पीड़ित अयोध्या वासियों के दर्द का ज्ञापन व समाधान हेतु ज्ञापन सौपा

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो चीफ) सुरेंद्र कुमार। अयोध्या –श्रीराम लला के भव्य मंदिर मे प्राण प्रतिष्ठा के बाद से प्रतिदिन अयोध्या आ रहे लाखों श्रद्धालुओं की आवक से जहां अयोध्या मुदित है तो वहीं असहज करने वाली भारी बंदिशों से स्थानीय नागरिकों में भारी रोष और कष्ट है। बीते दिनों स्थानीय पुलिस द्वारा व्यापारियों से किये गये दुर्व्यवहार के बाद व्यापारियों में स्थानीय प्रशासन द्वारा व्यापारियों के सुगम व्यापार हेतु व्यवस्था न देने से भी रोष बढ़ रहा है। व्यापार अधिकार मंच ने अयोध्या के व्यापारियों के इस दर्द का संज्ञान लेकर जहां प्रेस के माध्यम से प्रशासन को इसका समाधान देने का आग्रह किया।

वो सबसे पहले अपने घर की महिलाओं से माफी मांगें : अपर्णा यादव

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने दक्षिण

भारतीय फिल्मों के अभिनेता और राजनेता चिरंजीवी के बयान पर कहा कि उन्हें अपने घर की महिलाओं से सबसे पहले माफी मांगनी चाहिए। वो भी किसी मां से ही पैदा हुए हैं। उनका घर संभालने वाली एक मां ही हैं। बता दें कि चिरंजीवी ने एक बयान दिया था कि ष्जब मैं घर पर होता हूं, तो मुझे नहीं लगता है कि मैं पोतियों से घिरा हुआ हूं। मुझे लगात है कि मैं तो हॉस्टल वार्डन हूं, जो कई सारी औरतों से घिरा हुआ हूं। मैं रामचरण से कहता हूं कि कुछ नहीं कम से कम एक बेटा हो जो हमारी विरासत को आगे बढ़ाए। अपने इस बयान से वह सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल हो रहे हैं। यूजर्स उनसे कह रहे हैं कि 2025 में भी वह लड़का और लड़की का भेद कर रहे हैं। वहीं, अपर्णा यादव ने भी उन्हें अपने बयान के लिए माफी मांगने की अपील की है। अपर्णा यादव गुरुवार को एकदिवसीय दौरे पर अमेठी पहुंचीं थीं। जहां उन्होंने मीडिया के सवालों का जवाब दिया। उन्होंने जिले के वृद्धा आश्रम पहुंचकर वहां पर वृद्धजनों का हाल जाना। इसके साथ ही वहां पर उन्होंने वृद्धजनों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को भी सुना। इसके बाद महिला आयोग की उपाध्यक्ष जिला अस्पताल पहुंची जहां पर उन्होंने एमएनसीयू वार्ड के साथ अन्य वार्डों का निरीक्षण कर मरीजों से मुलाकात की साथ ही उन्हें दवाइयों की किट भी सौंपी। जिला अस्पताल के बाद महिला आयोग की उपाध्यक्ष ने कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय गौरीगंज का निरीक्षण किया।

मैरिज हॉल में घुसा तेंदुआ... मची चीख–पुकार, हमले में दरोगा मुकद्दर अली घायल पहुंची रेस्क्यू टीम

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ पारा के बुद्धेश्वर स्थित एमएम मैरिज लॉन में चल रहे शादी समारोह में बुधवार की रात करीब साढ़े दस बजे एक जंगली जानवर घुस आया। उसको देख वहां मौजूद लोगों में भगदड़ व चीख–पुकार मच गई। लोग जान बचाकर इधर–उधर भागने लगे। इस दौरान समारोह में शामिल होने पहुंचा एक व्यक्ति छत से कूद गए। छत से गिरने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उनको अस्पताल में भर्ती कराया। वन विभाग की टीम मैरिज हाल में घुसे जानवर की तलाश में लगी है। लोगों ने चर्चा है मैरिज लॉन में घुसा जंगली जानवर बाघ या तेंदुआ है। हमले के बाद जनपद हरदोई के कछौना रेंजर अपनी टीम के साथ लान के दूसरी मंजिल पर जीने से चढ़कर तेंदुआ रेस्क्यू करने के लिए जा रहे थे तभी तेंदुए ने हमला बोला। इस हमले में वन अधिकारी समेत कई वन अधिकारी जीने से लड़खड़ा कर गिर गए। जिस एमएम लॉन में तेदुंआ घुसने से भगदड़ मची है वहां से करीब 10 किलोमीटर दूर रहमान खेड़ा जंगल है। जहां पर बीते 68 दिनों से बाघ लोगों के लिए दहशत का माहौल कायम किये है। यहां पर वन विभाग की टीम लगातार बाघ को पकड़ने के लिए प्रयास करने का दावा तो कर रही हैं लेकिन वहां पकड़ा नहीं जा सका है। आए दिन बाघ जंगल से 20 से 25 किलोमीटर दूर निकल जाता है लाल। ऐसे में लोग यहां पर भी बाघ होने की आशंका जता रहे थे। हालांकि यहां वन विभाग के अधिकारियों ने तेंदुआ होना बताया है। इस इलाके में बाघ को लेकर दहशत का माहौल था ही तेंदुआ ने भी खौफ पैदा कर दिया है। लखनऊ के रहमानखेड़ा क्षेत्र में बाघ की दहशत अभी खत्म नहीं हुई है। इसी बीच बुधवार रात बुद्देश्वर स्थित एक मैरिज लॉन में तेंदुआ घुस गया। लॉन में उस समय शादी समारोह चल रहा था। तेंदुए के आने से भगदड़ और अफरातफरी वाली स्थिति पैदा हो गई। सूचना पर पहुंचे वन विभाग के एक अधिकारी पर भी तेंदुए ने हमला कर उन्हें घायल कर दिया। देर रात तक तेंदुए के रेस्क्यू के प्रयास चलते रहे। बुद्देश्वर के एमएम मैरिज लॉन में बुधवार को अक्षय कुमार और ज्योति का शादी समारोह था। रात साढ़े 10 बजे के करीब दीपक नाम के व्यक्ति लॉन में बने भवन की दूसरी मंजिल पर किसी काम से गए। वहां सामने तेंदुए को देखकर वह घबरा गए और दूसरी मंजिल से नीचे कूद पड़े। इससे उसे काफी चोट आई। बिल्डिंग में तेंदुए की मौजूदगी की जानकारी पर वहां भगदड़ मच गई। महिलाओं और बच्चों को सुरक्षा के लिए अलग–अलग कमरों में बंद कर दिया गया। लॉन के मालिक रहमान और शादी में आए हरसेवक प्रसाद द्विवेदी ने वन विभाग को सूचित किया। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। टीम में मलिहाबाद रेंज के दरोगा मुकद्दर अली भी थे। वह दूसरी मंजिल पर पहुंचे तो तेंदुए ने उन पर हमला बोल घायल कर दिया। साथ गए वनकर्मी भी भागने के प्रयास में गिरकर चोटिल हुए। साथी कर्मियों ने गोली चलाकर तेंदुए को भगाया तो वह दूसरी मंजिल से भागकर लॉन में कहीं और जा छिपा। डीएफओ लखनऊ सीतांशु पांडेय ने बताया कि तेंदुला लॉन में ही कहीं है। उसे पकड़ने के लिए वन विभाग की टीम मौके पर है। वे खुद इस ऑपरेशन की कमान संभाल रहे हैं। लॉन में रात में शादी समारोह की धूम थी। वीडियोग्राफी की टीम के रिकॉर्डिंग की लाइव स्ट्रीमिंग वहां मौजूद स्क्रीन पर चल रही थी। लाइव स्ट्रीमिंग में जैसे ही लोगों को तेंदुआ दिखा, सभी के होश उड़ गए। अफरातफरी मच गई। रहमानखेड़ा का बाघ जंगल से 20 से 25 किलोमीटर दूर निकल जाता है। जब लॉन में बाघ जैसे जंगली जानवर के मौजूद होने की सूचना फैली, सभी को लगा ये रहमानखेड़ा का बाघ होगा। हालांकि, वन विभाग के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचने के बाद अंदर तेंदुआ होने की पुष्टि की। अब इलाके में बाघ के साथ ही तेंदुआ का खौफ भी कायम हो गया।

सुंदरकांड का पाठ, दीपों से जगमगाया मंदिर

लखनऊ, (संवाददाता)। जीएसआई कॉलोनी सेक्टर–क्यू अलीगंज में भूगर्भेश्वर महादेव मंदिर का दो दिवसीय पांचवां वार्षिक महोत्सव बुधवार को धूमधाम से मनाया गया। पहले दिन सुंदरकांड पाठ हुआ। जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया उत्तरी क्षेत्र की ओर से हुए आयोजन में बड़ी संख्या में मौजूद भक्तों ने पाठ में हिस्सा लिया और शाम को करीब 2500 दीपों से प्रांगण को जगमग कर दिया। 11 फीट ऊंचा और 21 किलो का त्रिशूलमंदिर के स्थापना दिवस पर यहां 11 फीट ऊंचा और 21 किलो भार का भगवान शंकर का त्रिशूल स्थापित किया गया। पुजारी रवि कांडपाल के अलावा संजय पर्वत, राम सिंह मौर्य, नारायण सिंह, मीना, सावित्री, हेमा, ममता और अंश सिंह आदि मौजूद रहे। बृहस्पतिवार को यहां सुबह नौ बजे से रुद्राभिषेक और हवन होगा। दोपहर एक बजे से भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

70 लाख के जेवर चोरी करने की आरोपी महिला गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। चौक में रविवार को सराफ की दुकान से 70 लाख के जेवर चोरी करने की आरोपी महिला को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी महिला अफसरी गोरखपुर के रुकमानपुर राजघाट की रहने वाली है। महिला के पास से 629.6 ग्राम जेवर बरामद किए गए हैं। एसीपी चौक राजकुमार सिंह के मुताबिक कृष्णा रस्तोगी की गोल दरवाजे के पास पीएल ज्वेलर्स नाम से दुकान है। यहां रविवार को बुर्का पहने महिला अंगूठियां लेने गई थी। सराफ के पीछे मुड़ने पर आरोपी ने जेवर से भरा डिब्बा काउंटर से उठाकर छिपा लिया। बाद में अंगूठी पसंद न आने की बात बोलकर निकल गई। सराफ को जेवर का डिब्बा नहीं दिखा तो उसने सीसीटीवी कैमरे की फुटेज देखी तो महिला चोरी करते दिखी। पुलिस ने फुटेज की मदद से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने बताया कि मोहल्ला सराय आगामीर, चौक निवासी रिश्तेदार के घर में जेवर छिपाकर रखे हैं। पुलिस ने रिश्तेदार के घर से जेवर बरामद कर लिए।

आचार्य सत्येंद्र दास को श्रद्धांजलि देने उमड़े लोग, संत तुलसीदास घाट पर दी गई जल समाधि

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के अयोध्या स्थित राम जन्मभूमि के मुख्य अर्चक आचार्य सत्येंद्र दास की अंतिम यात्रा बृहस्पतिवार को निकाली गई। यात्रा तपस्वी छावनी, दीनबंधु, जानकी महल, लता चौक होते हुए संत तुलसीदास घाट पहुंची। यहां उन्हें जल समाधि दी गई। इससे पहले उन्हें अंतिम विदाई देने के लिए नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्त, राम मंदिर के ट्रस्टी महंत दिनेंद्र दास, महंत राघवेश दास वेदांती, कांग्रेस नेता राजेंद्र प्रताप सिंह, आचार्य नारायण मिश्र, बबलू खान सहित बड़ी संख्या में संत एवं श्रद्धालु उनके आश्रम पर पहुंचे। संतों की ओर से उन्हें पद्म भूषण दिए जाने की मांग उठाई गई। बुधवार को आचार्य सत्येंद्र दास का लखनऊ के पीजीआई में निधन हो गया था। इसके बाद अंतिम दर्शन के लिए उनका शव उनके आवास पर रखा गया था। जहां देर रात तक उन्हें श्रद्धांजलि देने का सिलसिला जारी रहा। आचार्य सत्येंद्र दास ढांचा विध्वंस से राम मंदिर निर्माण तक के साक्षी रहे हैं। रामलला की 34 साल सेवा की। आचार्य सत्येंद्र दास के साथ सहायक पुजारी के रूप में कार्य करने वाले प्रेमचंद्र त्रिपाठी बताते हैं कि बाबरी विध्वंस के समय रामलला समेत चारों भाइयों के विग्रह बचाने के लिए आचार्य उन्हें गोद में लेकर गए थे। वह टेंट में रामलला के दुर्दिन देखकर रोते थे। करीब चार साल तक अस्थायी मंदिर में विराजे रामलला की सेवा मुख्य पुजारी के रूप में की। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के समय भी उनकी आंखों से खुशी के आंसू छलके थे। स्वास्थ्य और बढ़ती उम्र के चलते उनके मंदिर आने–जाने पर कोई शर्त लागू नहीं थी। आचार्य सत्येंद्र दास ने साल 1975 में संस्कृत विद्यालय से आचार्य की डिग्री हासिल की। संस्कृत महाविद्यालय में सहायक शिक्षक की नौकरी मिली 1976 में उन्हें अयोध्या के संस्कृत महाविद्यालय में सहायक शिक्षक की नौकरी मिली। रामलला की पूजा के लिए उनका चयन 1992 में बाबरी विध्वंस के नौ माह पहले हुआ था। उनकी उम्र 87 हो चुकी थी, लेकिन रामलला के प्रति समर्पण व सेवा भाव को देखते हुए उनके स्थान पर अन्य मुख्य पुजारी का चयन नहीं हुआ। आचार्य सत्येंद्र दास ने कुछ दिन पहले कहा था ।

संक्षिप्त समाचार

प्लाईवुड इंडस्ट्री में गुणवत्ता मानकों का सख्ती से होगा पालन

लखनऊ, (संवाददाता)। ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स (बीआईएस) लखनऊ शाखा कार्यालय द्वारा प्लाईवुड उद्योगों में कार्यरत गुणवत्ता नियंत्रण कर्मियों के लिए विशेष कैप्सूल कोर्स का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण सत्र का उद्देश्य प्लाईवुड निर्माण में भारतीय मानकों का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित कराना और उत्पाद की गुणवत्ता को बेहतर बनाना था। इस अवसर पर बीआईएस लखनऊ शाखा कार्यालय के वरिष्ठ निदेशक और प्रमुख सुधीर बिश्नोई ने कहा कि प्लाईवुड निर्माण प्रक्रिया में सुधारात्मक कदम उठाने की जरूरत है। स्टॉक की जानकारी, स्टॉक का पुनः परीक्षण, उत्पादन कार्यक्रम, निरीक्षण शुल्क और गुणवत्ता असफलता के बारे में बताने के साथ लाइसेंसधारी को अपने उत्पाद की गुणवत्ता बनाए रखना अनिवार्य है। बीआईएस के उप निदेशक जितेश कुमार ने सामान्य प्रयोग के लिए प्लाईवुड और विशेष प्लाईवुड की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के तरीकों के साथ रेजिन और चिपकने वाले पदार्थों के सही उपयोग की जानकारी दी। प्रशिक्षण कार्यक्रम में ग्रीनप्लाई, जोया इंडस्ट्रीज, न्यू दुआ इंडस्ट्रीज, ऑस्टिन प्लाईवुड, वुड फैब , वाफी, वुड प्राइम, जिंदल एग्रो इंडस्ट्रीज सहित कई प्रमुख प्लाईवुड कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

परशुराम-लक्ष्मण संवाद ने बढ़ाई नाटक की रोचकता

लखनऊ, (संवाददाता)। संगीत नाटक अकादमी की वाल्मीकि रंगशाला में बुधवार को लोकनाट्य धनुष भंग का आयोजन किया गया। संस्कृति विभाग के सहयोग से अग्रसर संस्था की दिव्य मासिक नाट्य शृंखला के तहत यह दूसरी प्रस्तुति रही। रामकुमार त्रिपाठी 'निर्द्वन्द' इसके लेखक हैं और परिकल्पना व निर्देशन संजय त्रिपाठी का रहा। नाटक में परशुराम–लक्ष्मण के रोचक संवाद ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। नाटक की शुरुआत मारीच कथा से होती है। इसके बाद विश्वामित्र के आश्रम पर राक्षसों का उत्पात दिखाया जाता है। विश्वामित्र राजा दशरथ से राक्षसों को मार भगाने के लिए राम और लक्ष्मण को साथ लेकर आते हैं। दोनों भाई राक्षसों का संहार करते हैं और इसके बाद विश्मामित्र के साथ सीता स्वयंवर में पहुंचते हैं। यहां श्रीराम के धनुष भंग करते ही परशुराम पहुंच जाते हैं। इसके बाद शुरू होता है लक्ष्मण और परशुराम का संवाद, जिसे देखकर दर्शक रोमांच से भर जाते हैं। श्रीराम की ओर से परशुराम का संदेह दूर करने के साथ ही नाटक की समाप्ति हो जाती है। नाटक में राम की भूमिका अक्षत ऋषि, लक्ष्मण ओमकार पुष्कर, सीता सृष्टि शुक्ला और परशुराम की भूमिका संजय त्रिपाठी ने निभाई।

नाला निर्माण में घटिया सामग्री का इस्तेमाल

लखनऊ, (संवाददाता)। नगर पंचायत के भोलापुरवा वार्ड में बनाए जा रहे नाला निर्माण में घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया जा रहा है। दो बार नोटिस के बावजूद कार्यदायी संस्था गुणवत्ता को नजरअंदाज कर रही है। नगर निगम के जूनियर इंजीनियर से जांच कर रिपोर्ट मांगी थी, लेकिन वह भी लापरवाही बरत रहे हैं। भोलापुरवा वार्ड में 40 लाख रुपये की लागत से 300 सौ मीटर लंबे नाले का निर्माण करवाया जा रहा है। 21 जनवरी को नगर पंचायत कार्यालय से कार्यदायी संस्था को मानक के मुताबिक काम न करने पर नोटिस मिला था। इसकी एक प्रतिलिपि नगर पंचायत से संबद्ध नगर निगम के जूनियर इंजीनियर को भी भेजी गई। जूनियर इंजीनियर से जांच कर रिपोर्ट मांगी गई थी। सुधार न होने पर 11 फरवरी को फिर नोटिस दिया गया। तब भी बुधवार को घटिया निर्माण सामग्री का इस्तेमाल किया गया। नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी इंद्रभान ने बताया कि, संस्था को नोटिस जारी करवाकर जूनियर इंजीनियर शनि विश्वकर्मा से सामग्री की लैब टेस्टिंग का निर्देश दिया गया। जो रिपोर्ट आएगी उस आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गैस रिफिलिंग करने वाले चार आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। ठाकुरगंज पुलिस ने बुधवार को भूहर इलाके में छापा मारकर एलपीजी गैस सिलिंडर की रिफिलिंग करने वाले चार आरोपी बिहार निवासी सकिंद्र साहनी, काकोरी निवासी अरविंद कुमार, दुलारे व ठाकुरगंज निवासी बबलू को गिरफ्तार किया है। इंस्पेक्टर ठाकुरगंज श्रीकांत राय ने बताया कि आरोपी बेगरिया रोड के पास खाली प्लॉट में गैस सिलिंडर से रिफिलिंग कर रहे थे। पुलिस ने छापा मारकर 61 घरेलू और एक कमर्शियल सिलिंडर बरामद किया है। सप्लाई इंस्पेक्टर अमित प्रसाद भी पहुंचे। पुलिस ने सभी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

बीएसएनएल के 80 लाख उपभोक्ता मोबाइल पर लेंगे टीवी का मजा

लखनऊ, (संवाददाता)। भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनल) के पूर्वी परिमंडल में दर्ज प्रदेश के 80 लाख उपभोक्ता अब बिना सेट टॉप बॉक्स के ही मोबाइल पर लाइव टीवी का मजा ले सकेंगे। बीएसएनल ने इसके लिए इंटरनेट टीवी सेवा की शुरुआत की है। उपभोक्ता बिना किसी अतिरिक्त खर्च के मोबाइल पर ही टीवी का मजा ले सकेंगे। बीएसएनएल के महाप्रबंधक (विक्रय एवं विपणन) मो. जफर इकबाल ने बताया कि इस सेवा के अंतर्गत पूर्वी परिमंडल के 80 लाख उपभोक्ता अपने मोबाइल पर ही 400 से अधिक लाइव टीवी चौनल देख सकते हैं। इसमें चौपाल, बॉलीवुड प्ले, भक्ति, पीटीसी प्ले, शेमारू और अन्य ओटीटी चौनल का भी आनंद लिया जा सकेगा। इस सेवा के लाभ के लिए उपभोक्ता को एचटीटीपी/एफएमएस.बीएसएनएल.इन/आईपीटीवी आरईजी पर जाना होगा और बीएसएनएल मोबाइल को रजिस्टर कराना होगा। रजिस्ट्रेशन के बाद प्ले स्टोर से ओटीटी प्ले एप डाउनलोड करके अपना रजिस्टर्ड मोबाइल और ओटीपी डालकर सेवा को शुरू किया जा सकता है। जफर इकबाल ने बताया कि इस सेवा के जरिये बीएसएनएल ने उपभोक्ताओं को मोबाइल कनेक्शन के साथ टेलीविजन की भी सुविधा मुहैया करा रहा है।

महिलाओं के सम्मान में एलडीए का शक्तिउत्सव 15 को

लखनऊ, (संवाददाता)। मिशन शक्ति के तहत महिलाओं के सम्मान, साहस और स्वावलंबन के लिए एलडीए 15 फरवरी को 'शक्ति उत्सव' का आयोजन करने जा रहा है। इस कार्यक्रम में 1090 चौराहे से लेकर राम मनोहर लोहिया पार्क तक 2.5 किमी की पिंक रन होगी। नुक्कड़ नाटक, महिला बैंड प्रस्तुती, शिल्पकला प्रदर्शनी व चित्रकला प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी। एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने बताया कि इस समय एलडीए में 132 महिलाएं स्थायी व 100 महिलाएं अस्थायी पदों पर कार्यरत हैं, जो शहर के विकास व सुंदरीकरण में प्रमुख भूमिका निभा रही हैं। इसी तरह शहर में लाखों ऐसी महिलाएं हैं, जो अलग–अलग क्षेत्र में योगदान देते हुए समाज को आगे ले जा रही हैं। इन सभी के साहस, सम्मान और स्वावलंबन का जश्न मनाने के लिए प्राधिकरण मिशन शक्ति के तहत 15 फरवरी को शक्ति उत्सव मनाएगा। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 8:30 बजे 1090 चौराहे पर होगी। इस दौरान एथलीट अर्जुन पुरस्कार विजेता पद्मश्री से सम्मानित सुधा सिंह पिंक रन को झंडी दिखाएंगी। पिंक रन के बाद लोहिया पार्क के ओपन एयर थिएटर में सामाजिक संस्थाएं शिल्पकला प्रदर्शनी लगाएंगी। इसके अलावा 6 से 12, 13 से 18 और 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में चित्रकला प्रतियोगिता भी होगी। कार्यक्रम में देश के पहले महिला मिशन रॉक बैंड 'मेरी जिंदगी' का सजीव प्रसारण होगा। एलडीए उपाध्यक्ष ने बताया कि प्राधिकरण से जुड़ने वाली पहली महिला कर्मचारी प्रकाशिनी शुक्ला थीं, जिन्होंने 35 वर्षों तक प्राधिकरण को सेवाएं दीं। वर्तमान में प्राधिकरण में बड़ी संख्या में महिलाएं कार्यरत हैं, जो अलग–अलग अनुभागों में उत्कृष्ट कार्य कर रही हैं। कार्यक्रम में ऐसी महिला कर्मचारियों को सम्मानित किया जाएगा। प्राधिकरण ने महिलाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से कई कदम उठाए। सबसे बड़ा बदलाव संपत्ति की रजिस्ट्री के नियमों में किया। जिसके अंतर्गत महिलाएं केवल अपने नाम पर रजिस्ट्री करवा सकती हैं। वहीं, पुरुषों के नाम रजिस्ट्री के समय साथ में महिला का नाम होना अनिवार्य है। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि प्राधिकरण के गठन से लेकर अब तक कुल 41,072 महिलाओं के नाम पर रजिस्ट्री की गई है।

विदेशी विश्वविद्यालयों से भी एमओयू करें भारतीय विवि-राज्यपाल

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के अयोध्या स्थित आचार्य नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय गुरुवार को राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल पहुंची। यहां उन्होंने भारतीय कृषि विश्वविद्यालय के 48वें कुलपति सम्मेलन में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने छात्र हितों को लेकर कुलपतियों को नसीहत दी। उन्होंने कहा कि केवल अंतर विश्वविद्यालय से एमओयू से काम नहीं चलेगा। अब वह समय आ गया है कि अब विदेशी विश्वविद्यालय से भी एमओयू किया जाए। कुलपति सम्मेलन को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि दिल्ली में आयोजित सम्मेलन में लगभग 45 विदेशी विश्वविद्यालय हिंदुस्तान में आए थे। उस सम्मेलन में 300 कुलपति भी आए थे। राज्यपाल ने कहा कि उत्तर प्रदेश के 23 कुलपतियों को मैंने उस सम्मेलन में भेजा था। मैं खुद भी उस सम्मेलन में उपस्थित थी। उस सम्मेलन में विदेशी विश्वविद्यालय के साथ भारत के चार विश्वविद्यालयों का एमओयू

हुआ। आज केवल अंतर विश्वविद्यालय एमओयू कर रहे हैं। पिछले तीन साल से विश्वविद्यालय छात्रों को हित को लेकर एमओयू कर रहे हैं। कहा कि अब समय है विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ एमओयू किया जाए। विदेशी विश्वविद्यालय किस तरह आगे बढ़े हैं, यह देखने की जरूरत है। हमारे विश्वविद्यालय सीमित हो कर रह गए हैं। अब तो हालात यह हो गए हैं हमारे विश्वविद्यालय के कुलपति भी आपस में नहीं मिलते हैं। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही भी मौजूद रहे उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के कुलपतियों को छात्रों के हित को ध्यान में रखते हुए आपस में मिलकर विचार विमर्श करना चाहिए।

राम जन्मभूमि का दर्शन करते निकलेगी अंतिम यात्रा

लखनऊ, (संवाददाता)। रामलला के मुख्य अर्चक रहे आचार्य सत्येंद्र दास की अंतिम यात्रा आज अयोध्या स्थित उनके आवास से निकल चुकी है। यात्रा हनुमानगढ़ी और राम जन्मभूमि दर्शन करते हुए सरयू के घाट तक जाएगी। सरयू के घाट पर उन्हें जल समाधि दी जाएगी। अंतिम यात्रा में हजारों की संख्या में उनके भक्त उमड़ पड़े। बता दें कि बुधवार को आचार्य सत्येंद्र दास का लखनऊ के पीजीआई में निधन हो गया था जिसके बाद अंतिम दर्शन के लिए उनका शव उनके आवास पर रखा गया था। जहां उन्हें श्रद्धांजलि देने का सिलसिला देर रात तक जारी रहा। आचार्य सत्येंद्र दास ढांचा विध्वंस से राम मंदिर निर्माण तक के साक्षी रहे हैं। रामलला की 34 साल सेवा की। आचार्य सत्येंद्र दास के साथ सहायक पुजारी के रूप में कार्य करने वाले प्रेमचंद्र त्रिपाठी बताते हैं कि बाबरी विध्वंस के समय रामलला समेत चारों भाइयों के विग्रह बचाने के लिए आचार्य उन्हें गोद में लेकर गए थे। वह टेंट में रामलला के दुर्दिन देखकर रोते थे। करीब चार साल तक अस्थायी मंदिर में विराजे रामलला की सेवा मुख्य पुजारी के रूप में की। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के समय भी उनकी आंखों से खुशी के आंसू छलके थे। स्वास्थ्य और बढ़ती उम्र के चलते उनके मंदिर आने–जाने पर कोई शर्त लागू नहीं थी। आचार्य सत्येंद्र दास ने साल 1975 में संस्कृत विद्यालय से आचार्य की डिग्री हासिल की। 1976 में उन्हें अयोध्या के संस्कृत महाविद्यालय में सहायक शिक्षक की नौकरी मिली। रामलला की पूजा के लिए उनका चयन 1992 में बाबरी विध्वंस के नौ माह पहले हुआ था। उनकी उम्र 87 हो चुकी थी। , लेकिन रामलला के प्रति समर्पण व सेवा भाव को देखते हुए उनके स्थान पर अन्य मुख्य पुजारी का चयन नहीं हुआ। आचार्य सत्येंद्र दास ने कुछ दिन पहले कहा था कि, मैंने रामलला की सेवा में लगभग तीन दशक बिता दिए हैं और आगे जब भी मौका मिलेगा तो बाकी जिंदगी भी उन्हीं की सेवा में बिताना चाहूंगा।

पीजी के नए पाठ्यक्रमों की मान्यता तय करेंगे प्रो. आरके धीमन

लखनऊ, (संवाददाता)। संजय गांधी पीजीआई के निदेशक पद के लिए कार्यकाल बढ़ने के बाद प्रो. आरके धीमन के नाम एक और उपलब्धि जुड़ गई है। अब वे देश के विभिन्न मेडिकल कॉलेज में डिजाइन किए गए पीजी पाठ्यक्रमों की मान्यता तय करेंगे। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग ने नवीन पीजी मेडिकल योग्यता की मान्यता के लिए गठित छह सदस्यीय समिति के एक सदस्य के रूप में नामित किया है।

राज्य ललित कला अकादमी में प्रदर्शनी का आज आखिरी दिन

लखनऊ, (संवाददाता)। राज्य ललित कला अकादमी के 64वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आठ फरवरी से यहां लगी 31 प्रतिष्ठित कलाकारों की कृतियों की प्रदर्शनी का बृहस्पतिवार को अंतिम दिन है। यह प्रदर्शनी कलाकारों व आमजन के लिए सुबह 11 बजे से शाम पांच बजे तक खुली रहेगी। प्रदर्शनी में इस बार 22 वर्ष बाद अकादमी के सर्वोच्च अधिसदस्यता सम्मान से नवाजे गए छापाकला के प्रसिद्ध कलाकार पद्मश्री श्याम शर्मा की कलाकृतियां विशेष रूप से आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। निदेशक डॉ. श्रद्धा शुक्ला ने बताया कि प्रदर्शनी में एमएफ हुसैन, मदनलाल नागर, बद्रीनाथ आर्य, अजीत सिंह पंवार, केएस कुलकर्णी, सुधीर रंजन खास्तगीर, मो. सलीम, अरशद अमीन, योगेंद्र नाथ योगी की कलाकृतियां प्रदर्शित की गई हैं। अकादमी की विथिकाओं में यहां के बीवीए (चित्रकला) के प्रथम वर्ष के छात्र–छात्राओं ने भी अपनी कृतियां प्रदर्शित की हैं।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002

RNI NO - UPHIN/2022/86937

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।